Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi • Friday, 30 August 2024 • Year : 02 • Issue : 222 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

BRIEF NEWS

## कोकर गणेश पूजा की कमेटी का हुआ गठन

**RANCHI :** राजधानी रांची में कोकर गणेश पूजा इंडस्ट्रियल एरिया की नई कमेटी का गठन कर दिया गया है। इसमें मुख्य संरक्षक चुन्नू सिंह, चंचल चटर्जी, अश्विनी शर्मा, अरविंद मंडल मुकुल सिंह, युवराज पासवान, दीपू पासवान बनाए गए हैं। मिथिलेश छतरी, रवि रंजन पाठक, प्रदीप रवि, राजेश झा संरक्षक, बिहार गोप, बैजनाथ प्रसाद केके वर्मा सूरज शर्मा विक्की सिंह नवीन वर्मा सुजान सिंह रंजीत ठाकुर गुड्डू सोनी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह, जीतू सिंह, रोहित सिंह, सुमित सिंह सतीश सिंह, कैलाश पंडित, मिथिलेश ठाकुर सतीश सुमन दुर्गा ठाकुर बने हैं। कार्यकारी अध्यक्ष अमित कुमार, दुर्गेश झा बंटी राम, विशाल कुमार, समीर सिंह, हिमांशु राय गांधी, दीपू राय, मनीष पांडे, अमन सिंह शीतल और मीडिया प्रभारी मनोरंजन सिंह, पिंटू दुबे, रोहित सिंह छोटू मनोनीत किए गए हैं।

## आईपीएस एसएन प्रधान कल होंगे सेवानिवृत

**RANCHI :** झारखंड कैडर के तेज तर्रार 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी एसएन प्रधान दो दिन बाद 31 अगस्त (शनिवार) को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। गुरुवार को पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार वह वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के डीजी हैं। 31 अगस्त को रिटायर होने के बाद उन्हें झारखंड पुलिस विदाई देगी। वहीं अगले पांच माह में झारखंड कैडर के चार और आईपीएस सेवानिवृत्त होंगे। इनमें अजय भटनागर 30 नवंबर 2024, पूर्व डीजीपी अजय कुमार सिंह और मुरलीलाल मीणा जनवरी 2025 में और आरके मल्लिक 31 जनवरी 2025 को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। अजय भटनागर फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और वर्तमान में सीबीआई में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

## 227 जवानों को एएसआई रैंक में मिलेगा प्रमोशन

**RANCHI :** इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के 227 जवानों को एएसआई श्रेणी में प्रोन्नति मिलेगी। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इन 227 जवानों की वरीयता सूची जारी कर दी है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार आईआरबी के गठन को मंजूरी देती है। इसका खर्च भी केंद्र सरकार वहन करती है। बटालियन के गठन के लिए यह शर्त भी रहती है कि केंद्र सरकार जहां चाहे इस बटालियन का उपयोग कर सकती है। इस बल का गठन राज्यों में सीआरपीएफ या अन्य केंद्रीय बलों से निर्भरता खत्म करने के लिए किया गया है। बता दें कि आईआरबी में कार्यरत जवानों और कर्मियों की सेवानिवृत्ति की आयु पहले तय नहीं थी। लेकिन इस साल फरवरी में हुए कैबिनेट की बैठक में सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष तय की गयी। कैबिनेट की बैठक में आईआरबी के जवानों और कर्मियों के आश्रितों को उनकी शेष सेवा अवधि के बराबर भुगतान करने को मंजूरी मिली।

### 3000 नए ई-रिक्शा व 1000 ऑटो का परमिट जारी करने पर बनी सहमति

# तीन दिनों से चल रही ऑटो व ई रिक्शा चालकों की हड़ताल खत्म

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को परिवहन सचिव और नगर आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों के साथ हुई वार्ता के बाद ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने अपनी हड़ताल समाप्त करने का फैसला किया है। तीन दिनों तक सड़कों पर ऑटो और ई-रिक्शा नहीं चलने के कारण यात्रियों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ा।

वार्ता में 3000 नए ई-रिक्शा परमिट,1000 नए ऑटो परमिट जारी करने पर सहमति बनी। फिलहाल कोई भी जुमार्ना नहीं वसूला जाएगा। ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की हड़ताल खत्म होने से राजधानी वासियों को अब राहत होगी। इसके

### 20 किमी की परिधि में चलाने का नियम

रांची की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए शहर के 20 किमी की परिधि में ऑटो चलाने के नियम में बदलाव किया गया है। ट्रैफिकपुलिस ने चार जोन में परिचालन का रूट बांट कर 3-3 किमी का दायरा बना दिया है। इसके विरोध में ही ऑटो और ई-रिक्शा चालक 27 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे।

पहले झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी, ऑटो चालक यूनियन के अध्यक्ष अर्जुन यादव, ई-रिक्शा चालक यूनियन के संरक्षक उतम यादव सहित अन्य ने बताया था कि शुक्रवार को बात करने के लिए वे सीएम कार्यालय जाएंगे। इसके पहले ही अधिकारियों के साथ वार्ता में समझौता हो गया। बता दें कि रांची में पांच हजार ई-रिक्शा, 10 हजार सीएनजी ऑटो और दो हजार डीजल ऑटो चलते हैं। जो पिछले तीन दिनों से ऑटो चलाने के नियम में बदलाव के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे। हजारों चालक अपनी मांग को लेकर रातु रोड स्थित ऑटो स्टैंड पर प्रदर्शन कर रहे थे। चालकों का कहना है कि तीन दिनों की हड़ताल पर जाने से लगभग डेढ़ लाख परिवार के घर पर चूल्हा नहीं जला। अगर हमारी मांगें पूरी हुई तो हड़ताल खत्म कर देंगे। अगर बात नहीं बनी तो ट्रैफिक एसपी के कार्यालय में सभी ऑटो ऑटो चालक जाएंगे और गाड़ी की चाभी सौंपेंगे। चालकों का कहना था कि कि राज्य के विधायकों और सांसदों ने चालकों का साथ नहीं दिया।

# अब मॉल बनेगा वेलफेयर सिनेमा हॉल, सैनिक कल्याण बोर्ड में रखा गया प्रस्ताव

भूतपूर्व सैनिकों के साथ बैठक करते गवर्नर संतोष कुमार गंगवार। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में राजभवन में सैनिक कल्याण निदेशालय प्रबंध समिति की बैठक हुई। इसमें सैनिक कल्याण बोर्ड की गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया गया। बैठक में मेन रोड सैनिक मार्केट परिसर स्थित वर्षों से बंद पड़े वेलफेयर सिनेमा हॉल के स्थान पर मॉल बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया। साथ ही सैनिक बाजार परिसर के पार्किंग क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की चर्चा की गई।

भूतपूर्व सैनिकों की राज्य सरकार द्वारा की जाने वाली नियुक्ति में आरक्षण का लाभ देने की बात भी कही गई। बैठक में बोर्ड की ऑडिट रिपोर्ट रखी गई। राज्यपाल ने कहा कि सैनिक कल्याण बोर्ड सिर्फ प्रस्ताव तक सीमित न रहे, बल्कि अपने कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने सैनिक मार्केट में भूतपूर्व सैनिकों को वर्षों पहले आवंटित दुकान खाली कराने के मामले में कहा कि जब सभी चीजें सही व अनुकूल चल रही हों, तो अनावश्यक खाली कराने की कार्रवाई क्यों। अनावश्यक विवाद से बचना चाहिए। राज्यपाल गंगवार ने बैठक में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलनेवाले भूतपूर्व सैनिकों के आश्रितों को प्रोत्साहन राशि देने का निर्देश दिया। भूतपूर्व सैनिकों के बच्चे जिनका चयन कमीशन ऑफिसर के रूप में हुआ है,

- राज्यपाल की अध्यक्षता में राजभवन में हुई मीटिंग
- सैनिक बाजार परिसर के पार्किंग क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को ले हुई चर्चा
- गवर्नर ने पूर्व सैनिकों के आश्रितों को प्रोत्साहन राशि देने का दिया निर्देश

### भूतपूर्व सैनिकों के रोजगार की पहल करे बोर्ड

राज्यपाल गंगवार ने कहा कि जिन भूतपूर्व सैनिकों को रोजगार की आवश्यकता है, उन्हें राज्य में मौजूद कंपनी में काम दिलाया जाए। इसके लिए भूतपूर्व सैनिकों को डीजीआर के तहत सिक्योरिटी एजेंसी से सेवाएं ली जाएं। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल खियांगते, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, प्रधान सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, प्रधान सचिव, वित्त विभाग मस्तराम मीणा सहित निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय, झारखंड, सहायक निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय, झारखंड, सहित कई वरीय पदाधिकारीगण मौजूद थे।

उन्हें शुरू में 25,000 रु पारितोषिक राशि के रूप में देने पर सहमित बनी।

# मांडर व बेड़ो में जल्द चालू होगा कोल्ड स्टोरेज : मंत्री

क्षेत्र भ्रमण के दौरान कृषि व सहकारिता मंत्री दीपिका पांडेय सिंह। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को कृषि और सहकारिता मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने कहा है कि मांडर विधानसभा क्षेत्र में किसानों से जुड़ी समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मांडर और बेड़ो के सरकारी कोल्ड स्टोरेज को जल्द ही चालू करने का प्रयास किया जायेगा। मंत्री अपने दौरे के क्रम में सबसे पहले मांडर पहुंची जहां मांडर चौक कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। उनके साथ मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की भी थी। मांडर प्रखण्ड के बूढ़ाखोखरा में कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने संवेदक से बातचीत की और सभी तकनीकी समस्याओं की जानकारी लेने के बाद उन्होंने कहा कि जल्द ही समाधान के पश्चात निर्माण कार्यों को पूरा किया जायेगा। इसके साथ ही कोल्ड स्टोरेज में बिजली आदि की व्यवस्था भी अविलम्ब की जायेगी। मांडर के बाद मंत्री बेड़ो पहुंची जहां केशा मोड़ पर कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। केशा मोड़ पर उन्होंने एक कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्था को देखा।

## पंकज मिश्रा को बेल देने से कोर्ट का इनकार, दूसरी बार खारिज की याचिका

**RANCHI :** टेंडर मैनेज करने और साहिबगंज जिले में अवैध खनन के जरिए अकूत संपति अर्जित करने के आरोप में जेल में बंद सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि रहे पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर पीएमएलए कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर खारिज कर दी। पूर्व में कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। पूर्व में भी ईडी की विशेष अदालत में पंकज मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी थी जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। लेकिन हाई कोर्ट में उनकी ओर से दायर याचिका पिछले दिनों वापस ले ली गई थी और फिर से पीएमएलए कोर्ट में जमानत याचिका दायर की गई थी। बता दें कि सीएम के विधायक प्रतिनिधि रहे पंकज मिश्रा को ईडी ने पिछले वर्ष जुलाई महीने में गिरफ्तार किया था।

### हाईकोर्ट ने बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन से पूछा-

# नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त भवन का कब बनाएंगे डीपीआर

**PHOTON NEWS RANCHI :** कांके नगड़ी स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने से संबंधित दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। गुरुवार को मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड से पूछा कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके की अतिरिक्त भवन बनाने के लिए डीपीआर कब तक बनेगा? कोर्ट ने राज्य सरकार को इसपर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है, अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद एवं अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने पैरवी की। खंडपीठ ने झारखंड बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड से पूछा कि अगर आपको डीपीआर की राशि का भुगतान कर दिया जाता है तो कब तक नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के

अतिरिक्त भवन का डीपीआर तैयार होगा? पिछली सुनवाई में झारखंड बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के एमडी कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए थे। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया था कि कारपोरेशन के पास वित्त विभाग की चिट्ठी है जिसके तहत वह किसी भी भवन का डीपीआर बनाने के लिए प्रोजेक्ट का कुल लागत का 10% राशि चार्ज लेता है। पूर्व की सुनवाई दौरान सीसीएल, सेल आदि की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि वह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके के अतिरिक्त भवन सीएसआर फंड के तहत तैयार करा सकता है, लेकिन उसे भवन का डीपीआर बनाकर दिया जाए।

# हम जो संकल्प पत्र जारी करते हैं, उसी के साथ जनता के बीच जाते : बाबूलाल मरांडी

अभियान की शुरुआत करते बाबूलाल मरांडी व भाजपा नेता। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने आज से घोषणा पत्र सुझाव अभियान की शुरूआत कर दी। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और घोषणा पत्र सुझाव अभियान समिति के संयोजक विधायक अनंत ओझा की उपस्थिति में इस अभियान की शुरूआत की गई।

इस अभियान के तहत पार्टी के पदाधिकारी जिला, प्रखंड और मंडल स्तर तक जाकर युवाओं, महिलाओं, किसान, मजदूर, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, पारा शिक्षक, सहिया दीदी से मिलकर उनकी सलाह लेंगे कि वह कैसा घोषणा पत्र चाहते हैं। इसी को पार्टी अपने संकल्प पत्र में स्थान देगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश कार्यालय में घोषणा पत्र सुझाव अभियान की शुरूआत करते हुए कहा कि घोषणा पत्र किसी भी राजनीतिक दल के संकल्पों का दस्तावेज होता है। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक दलों के दृष्टिकोण को भी बताती है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र कहती है। हम जो संकल्प पत्र जारी करते हैं उसी के साथ जनता के बीच जाते हैं और जब जनता का विश्वास जीतकर सरकार बनाते हैं तो उसे पूरा भी करते हैं।

## रिम्स में मारपीट की जांच के लिए बनी कमेटी, 48 घंटे में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

**RANCHI :** रिम्स स्टेडियम के पास मंगलवार की रात मेडिकल स्टूडेंट व होमगार्ड जवानों के बीच हुई मारपीट की जांच के लिए प्रबंधन ने जांच कमेटी बनायी है। जांच कमेटी को 48 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। डीन को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी में जेडीए अध्यक्ष को भी शामिल किया गया है। ज्ञात हो कि मामले में मेडिकल स्टूडेंट और होमगार्ड के जवान एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगा रहे हैं। इधर, मारपीट की घटना के विरोध में बुधवार की दोपहर 12 बजे (एक घंटा के लिए) मेडिकल स्टूडेंट ने ओपीडी को बंद करा दिया।

# अधिवक्ता हत्याकांड के आरोपी को सहयोग करने वाला युवक अरेस्ट

**PHOTON NEWS RANCHI :** सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम में बीते दो अगस्त को अधिवक्ता गोपी कृष्ण की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद इस कांड के दोनों अपराधी (रोशन मुण्डा और संदीप कालिन्दी) गिरफ्तार किया गया था। दोनों गिरफ्तार अपराधी के द्वारा बताया गया कि अधिवक्ता गोपी कृष्णा के हत्या करने के बाद भागने के क्रम में एक देसी कट्टा और गोली खेमलाल कालिन्दी (संदीप कालिन्दी का भाई) को छिपाने के लिए दिये थे व दोनों अपराधी को भगाने में भी सहयोग किया था। एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोतवाली

अपराधी के बारे में जानकारी देते एसएसपी चंदन सिन्हा। ● फोटोन न्यूज

डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए खेमलाल कालिन्दी सिमडेगा से उसके जीजा के घर से पकड़ा। पूछताछ करने पर बताया कि हथियार को अपने घर के पास मुडला पहाड़ में छिपा के रखे हैं। इसके बाद पुलिस की टीम हथियार को बरामद किया। गुरुवार को एसएसपी चंदन सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। उधर, कोतवाली डीएसपी प्रकाश कुमार सोए के नेतृत्व में पुलिस की छापेमारी में घर के तहखाने में छुपा कर रखे गए 105 पुड़िया ब्राउन शुगर और तीन किलो गांजा बरामद किया गया है।

### झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर हो रही तबादले की तैयारी

# आईजी, डीआईजी समेत बड़े अफसरों का होगा ट्रांसफर

- एक ही जिले में तीन साल से अधिक समय से पदस्थापित पुलिसकर्मियों को किया जाएगा इधर से उधर

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी शुरू हो गयी है। अब तक की जो जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार, झारखंड में अक्टूबर महीने के पहले सप्ताह में आचार संहिता लागू हो सकता है। इसको देखते हुए सरकार की ओर से पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर तबादले की तैयारी शुरू कर दी गयी है। दो दिन पहले ही एसपी रैंक के 10 आईपीएस का तबादला किया गया है। अभी कुछ और जिलों के एसपी का तबादला होना है। जानकारी के मुताबिक, आने वाले सप्ताह में आईपीएस स्तर के कई पुलिस अधिकारियों का

तबादला होगा। इनमें एसपी, डीआईजी और आईजी रैंक के शामिल होंगे। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय स्तर पर भी कई अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग की सूचना है। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर एक ही जिले में तीन साल से पदस्थापित पुलिस कर्मियों का तबादला किया जा चुका है। राज्य पुलिस स्थापना परिषद की बैठक में लिये गये निर्णय के बाद बीते 18 अगस्त को एक ही जिले की इकाई में तीन वर्ष या उसके अधिक समय अवधि तक पदस्थापित पुलिस निरीक्षक और परिचारी प्रभारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई थी।

### विधि व्यवस्था को ध्यान में रखकर की जाएगी पोस्टिंग की प्रक्रिया

तबादले को लेकर एक और बिंदु भी देखा जा रहा है। पुलिस मुख्यालय भी जिलावार विधि-व्यवस्था, अपराध व नक्सल आदि के बिंदु पर आकलन कर रहा है। जिस जिले में अपराध के आंकड़े अधिक होंगे और निष्पादन व खुलासे का प्रतिशत कम होगा, उस जिले के कप्तान को बदलने का प्रस्ताव राज्य सरकार को जायेगा। वहीं डीएसपी स्तर के पुलिस पदाधिकारी के ट्रांसफर के लिए भी सूची तैयार की जा रही है। आने वाले कुछ ही दिनों में राज्य के अलग-अलग पदों पर पदस्थापित डीएसपी रैंक के कई पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया जायेगा।

## हनीट्रैप कर मुंबई के व्यवसायी का अपहरण, 50 लाख की वसूली फिरौती

**RANCHI :** मुंबई के मल्टी नेशनल कंपनी के बड़े अधिकारी मेहुल शाह को हनीट्रैप में फंसा कर 50 लाख की उगाही कर ली गई। जमशेदपुर की एक युवती ने मेहुल का न्यूड वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल कर उनसे हवाला के जरिए 50 लाख रुपए वसूल कर ली। दरअसल, मेहुल शाह की दोस्ती जमशेदपुर की युवती श्वेता पति से सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती काफी गहरी हो गयी थी। दोनों के बीच न सिर्फ बातचीत होती थी, बल्कि वे लोग अक्सर मिलते जुलते थे। इस दौरान श्वेता उससे लाखों रुपए ले चुकी थी। हालांकि कुछ दिनों से दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई। श्वेता से मेहुल ने बातचीत भी करना बंद कर दिया था। इसी क्रम में श्वेता ने अपने कार्यस्थल को छोड़ दी और वह रांची आकर रहने लगी।

# राजद की कांके प्रखंड समिति का हुआ विस्तार, शाहिद बने उपाध्यक्ष

बैठक में शामिल राजद कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल कांके प्रखंड सामिति की बैठक प्रखंड अध्यक्ष सूरज कुमार रॉय की अध्यक्षता में कांके बिरसा कृषि विश्वविद्यालय मैदान में हुई। पार्टी के रांची जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सलिल अंसारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में राजद की प्रखंड सामिति का विस्तार किया गया। कांके प्रखंड अध्यक्ष सूरज कुमार रॉय ने बताया कि जिला अध्यक्ष के निदेर्शानुसार कांके प्रखंड सामिति का विस्तार किया गया है। शाहिद अहमद को प्रखंड उपाध्यक्ष, तनवीर खान प्रखंड सचिव, कृष्णा कुमार को प्रखण्ड कोषाध्यक्ष, साहिल अंसारी प्रखंड उपाध्यक्ष बनाया गया है। कैसर आलम,साहेब अनवर, पार्टी में शामिल हुए। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष सूरज कुमार रॉय और जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सलिल अंसारी ने सभी पदाधिकारियों को पार्टी का पट्टा पहना कर और प्रमाण पत्र देकर मनोनीत किया। जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सलिल अंसारी ने कहा कि पार्टी की विचारधारा व पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी से प्रेरित होकर लगातार लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं।

Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 30 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 222 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**सुविचार**

पता नहीं क्यों, लोग और सब देखते हैं, जिंदगी नहीं देखते। जिंदगी इस पैसे, धरती और आसमान से ज्यादा कीमती है साहब।

– कमलेश्वर

Swara Bhaskar Reacts to...

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 82,134.61 |
| निफ्टी | : | 25,151.95 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 6,885 |
| चांदी | : | 93.05 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली ढेर

**RAIPUR :** गुरुवार को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया। नारायणपुर और कांकेर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें तीन वर्दीधारी महिला नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया। मौके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों के होने सूचना मिली थी।

### सेंसेक्स-निफ्टी ने बनाया ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड

**MUMBAI :** गुरुवार को सेसेंक्स ने 82,285 और निफ्टी ने 25,192 का नया ऑलटाइम हाई बनाया। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 349 अंक की तेजी के साथ 82,134 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 99 अंक की तेजी रही, ये 25,151 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 28 में तेजी और 22 में गिरावट रही।

### बृजभूषण को दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

**NEW DELHI :** बृजभूषण सिंह को दिल्ली हाईकोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने बृजभूषण के वकील से मामले में एक शार्ट नोट कोर्ट में जमा करने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण की याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सवाल उठाया गया। 26 सितंबर को मामले में अगली सुनवाई होगी।

### पूजा खेडकर को 5 सितंबर तक गिरफ्तारी से राहत

**NEW DELHI :** दिल्ली हाईकोर्ट ने बर्खास्त ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की जमानत याचिका पर सुनवाई 5 सितंबर तक टाल दी है। पूजा के जवाब पर विचार करने और नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दिल्ली पुलिस ने और समय मांगा है। इसके बाद जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने पुलिस को निर्देश दिया कि आगे की कार्यवाही लंबित रहने तक खेडकर को गिरफ्तार न किया जाए।

### डॉक्टरों के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला : ममता

**KOLKATA :** गुरुवार को बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को कभी नहीं धमकाया। ममता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि मैंने प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स को धमकाया है। ये सरासर झूठ है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ममता ने बंगाल के उन जूनियर डॉक्टर्स को धमकाया, जो 21 दिन से हड़ताल पर हैं। ये डॉक्टर्स आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के केस में न्याय की मांग कर रहे हैं।

# लोग तभी स्वस्थ रहेंगे, जब स्वास्थ्य विभाग स्वस्थ रहेगा : हेमंत

## 365 अनुबंध आधारित सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को मिला नियुक्ति पत्र

## राज्य में पहली बार अमीर महतो नाम के ट्रांसजेंडर की भी इस पद पर हुई है बहाली

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में लोग तभी स्वस्थ रहेंगे,जब स्वास्थ्य विभाग स्वस्थ रहेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी ऑलराउंडर की भूमिका में हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट भवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में ये बातें कही। इस दौरान उन्होंने 365 अनुबंध आधारित सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ) को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। कार्यक्रम में सीएम ने पांच सीएचओ को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया, जिसमें पहली बार ट्रांसजेंडर अमीर महतो के अलावा रीता महतो, डॉ. पियुल कुजूर, मजमा परवीन और डॉ. संदीप कुमार को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

### लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाएं सीएचओ

सीएम ने नवनियुक्त सीएचओ से कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक सरलता से पहुंचाएं। आज भी लोग झाड़फूंक, जड़ी-बूटी के आधार पर परंपरागत तरीके से स्वास्थ्य उपचार कराने में लगे रहते हैं। यह एक चिंता का विषय है। राज्य के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति विश्वास के साथ जोड़ना है। आज अलग-अलग विभागों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

### 21680 सुरक्षित व 11356 ऑक्सीजन युक्त बेड : बन्ना

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि राज्य में 15 से ज्यादा आरटीपीसीआर लैब हैं। जीनोम सिक्वेंशिंग मशीन भी है। 21,680 बेड सुरक्षित हैं और 11,356 ऑक्सीजन युक्त बेड हैं। विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि सीएचओ 100 तरह की दवाओं को प्रेसक्राइब कर सकते हैं। स्वस्थ झारखंड की परिकल्पना को मूर्त रूप देने में सीएचओ की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि अगर अस्पताल में स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं हैं, तो लोगों का इलाज प्राइवेट डॉक्टरों से कराया जाएगा।

## राज्य में हजारों नियुक्तियां प्रक्रियाधीन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हजारों नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। कुछ साथियों को लगता है कि हमलोग हाथ पर हाथ धरे बैठें हैं, लेकिन हम बताना चाहते हैं कि सरकार ने पशु चिकित्सक, चिकित्सा पदाधिकारी, लैब अस्सिटेंट, जूनियर इंजीनियर, सहायक इंजीनियर, पंचायत सचिव, लिपिक, लेखापाल, दंत चिकित्सक, नर्स, आयुष चिकित्सक, फॉरेंसिक साइंटिस्ट आदि पदों पर नियुक्तियां की हैं। बेहतर कानून व्यवस्था और न्याय के लिए एपीपी की भी बहाली की गई है। हेमंत सोरेन ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों के रख-रखाव के लिए सालाना पांच करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए दो लाख, पीएचसी के लिए पांच लाख, सीएचसी के लिए 10 लाख, सब- जिविजनल हॉस्पिटल के लिए 50 लाख और जिला अस्पताल के लिए सालाना 75 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

## हेमंत सोरेन कैबिनेट ने 44 प्रस्तावों को चर्चा के बाद दी स्वीकृति

# अग्निवीरों के आश्रितों को मिलेगा 10 लाख रुपये तक अनुग्रह अनुदान

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में 44 प्रस्तावों पर चर्चा होने के बाद हरी झंडी दे दी गई। रांची के कल्याण विभाग के अंतर्गत आवासीय विद्यालय में छात्र बालों की वृद्धि की जाएगी। वर्तमान में 16368 छात्र इन आवासीय विद्यालय में हैं। इसे बढ़ा कर 37 हजार तक किया जाएगा। वित्त विभाग के अंतर्गत पीएएमयू में प्रोग्राम डायरेक्टर और एडिशनल डायरेक्टर के पद का सृजन होगा। राज्य सरकार के पुराना वेतन ले रहे कर्मियों का महंगाई भत्ता 230 परसेंट से बढ़ाकर 239 परसेंट किया गया। इसका लाभ एक जुलाई 2024 से मिलेगा। अग्निवीर सैनिक की पत्नी और आश्रित को विशेष अनुग्रह अनुदान 10 लाख और अनुकंपा पर नौकरी दी जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष डीके तिवारी की सेवा अगले 1 साल तक या 65 वर्ष आयु में जो पहले हो बढ़ाने की स्वीकृति दी गई।

- 39 लाख बिजली उपभोक्ताओं का माफ किया जाएगा बकाया
- आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अब 16367 से बढ़कर होगी 37 हजार
- पुराना वेतन ले रहे सरकारी कर्मियों का 9 प्रतिशत बढ़ाया गया महंगाई भत्ता

### सहायक अध्यापक नियमावली में संशोधन

सहायक अध्यापक सेवा शर्त 2024 नियमावली में संशोधन किया गया। इसके तहत नगर निगम क्षेत्र में मेयर और नगर आयुक्त को प्रशासनिक और अनुशासनिक अधिकार उनके लिए दिया गया है और नगर परिषद नगर पंचायत में नगर अध्यक्ष या कार्यपालक पदाधिकारी को अधिकार दिया गया है। कोडरमा में मेडिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए 42 पद का सृजन करने की स्वीकृति दी गई। इसमें सालाना 3.61 करोड रुपये खर्च आने की संभावना है। आर ओ वॉटर प्लांट के लिए नई पॉलिसी की भी मंजूरी दी गई। सदर अंचल चाईबासा में छठा अंचल के गठन की मंजूरी दी गई।

### नवगठित शहरी स्थानीय निकायों में नए पदों का सृजन

झारखंड राज्य के नवगठित शहरी स्थानीय नगर निकायों में आवश्यकता आधारित पदों का सृजन किया जाएगा। 2017 के बाद निकायों में पदों का सृजन किया जाएगा। नगर विकास विभाग ने इस आशय का प्रस्ताव तैयार किया जिस पर मंजूरी मिली। 6 नए नगर निकायों हरिहरगंज बरहरवा, महागामा, डोमचांच, बड़कीसरैया तथा धनवार नगर पंचायत में विभिन्न कार्यों के लिए 204 से अधिक पद सृजित होंगे। पांच नगर निगम गिरिडीह नगर निगम, हजारीबाग नगर निगम, चास नगर निगम, आदित्यपुर नगर निगम एवं मेदिनीनगर नगर निगम में अभी नगर आयुक्त का पद सृजित नहीं हैं। ऐसे में इन निकायों में एक-एक नगर आयुक्त के कुल पांच पद सृजित किए जाएंगे। इसके अलावा गिरिडीह व मेदिनीनगर नगर निगम में अपर नगर आयुक्त के पद भी सृजित किए जाएंगे।

## माछिल में दो, तंगधार में एक मारा गया

# कुपवाड़ा में जवानों ने 3 आतंकियों को किया ढेर

**AGENCY SRINAGAR :** जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना ने 3 आतंकियों को ढेर कर दिया है। इनमें दो घुसपैठिया टेररिस्ट माछिल और एक तंगधार में मारा गया। सेना ने बताया कि माछिल और तंगधार में 28-29 अगस्त की देर रात खराब मौसम के बीच संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद यहां सेना और पुलिस ने सर्चिंग शुरू की। इस दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई। तीसरा सर्च ऑपरेशन राजौरी में चल रहा है। यहां बुधवार को 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि 28 अगस्त की रात 9:30 बजे गांव खेरी मोहरा लाठी और दांथल इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। तलाशी के दौरान देर रात करीब 11:45 बजे आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। इंटेलिजेंस ने 27 अगस्त को आर्मी को जानकारी दी थी कि करना सेक्टर और माछिल सेक्टर के कुमकडी में घुसपैठ हो सकती है।

- तलाशी के दौरान देर रात करीब 11:45 बजे आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी
- दो जगहों पर संदिग्ध एक्टिविटी दिखी तो सुरक्षाबलों ने फायरिंग की
- जुलाई में मारे गए थे सात आतंकी

## 11:30 बजे राजभवन में ओथ दिलाएंगे राज्यपाल

# चम्पाई का इस्तीफा मंजूर, आज रामदास लेंगे मंत्री पद की शपथ

**PHOTON NEWS RANCHI :** बदलते राजनीतिक घटनाक्रम के बीच झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने हेमंत सरकार में मंत्री रहे चम्पाई सोरेन का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। झामुमो ने उनकी मंत्री पद के लिए घाटशिला से विधायक रामदास सोरेन का नाम तय कर लिया है। शुक्रवार को वह मंत्री पद की शपथ लेंगे। इसका प्रस्ताव राजभवन को भेज दिया गया है। उन्हें 11:30 बजे राजभवन में राज्यपाल मंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। रामदास सोरेन

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से झामुमो के विधायक हैं। इसके अलावा वह पूर्वी सिंहभूम से झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष हैं। इससे पहले वह साल 2009 में भी चुनाव जीत चुके हैं। पार्टी में वह चम्पाई सोरेन के बाद कोल्हान के दूसरे सबसे वरिष्ठ नेता हैं।

### अडाणी फैमिली देश में बना सबसे अमीर, अंबानी को भी छोड़ दिया पीछे

**MUMBAI :** अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके परिवार की कुल संपत्ति एक साल में 95 प्रतिशत बढ़कर 11.62 लाख करोड़ रुपये हो गई। अडाणी परिवार ने अपनी टोटल वेल्थ में पिछले एक साल में 5,65,503 करोड़ रुपये का इजाफा किया है। अडाणी फैमिली ने अंबानी परिवार को पीछे छोड़कर देश की सबसे धनवान फैमिली बन गई है। अंबानी परिवार की संपत्ति 10.15 लाख करोड़ रुपये है। एक साल में इसमें 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के मुताबिक, 'हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद भी गौतम अडानी एंड फैमिली ने पिछले साल की तुलना में संपत्ति में 95 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की।

## रूफ टॉप बार व रेस्टोरेंट के संचालन पर हाईकोर्ट ने जताई सख्त नाराजगी

# पूछा- यह बिल्डिंग प्लान नियमावली का उल्लंघन तो नहीं

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राज्य में अफीम, चरस, गांजा जैसे मादक पदार्थों की बिक्री एवं पर रोकथाम को लेकर कोर्ट के स्वत संज्ञान के साथ-साथ रांची में मंदिर एवं शैक्षणिक संस्थाओं के नजदीक बार के संचालन के खिलाफ लेकर दायर अनुराग कुमार की जनहित याचिका की सुनवाई की। दरअसल खूंटी में अफीम की फसलों को नष्ट करने एवं झारखंड में अफीम, चरस, गांजा आदि ड्रग्स के कारोबार में लगातार वृद्धि पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस पर कोर्ट में सुनवाई हुई। रांची नगर निगम से कोर्ट ने पूछा, रूफ टॉप बार एवं रेस्टोरेंट का संचालन कहां तक उचित है, बिल्डिंग प्लान का उल्लंघन तो नहीं है। यह भी पूछा कि शहर के बार एवं रेस्टोरेंट में पार्किंग की सुविधा के लिए क्या पहल की गई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि रांची में अधिक संख्या में रूफ टॉप बार रेस्टोरेंट चल रहे हैं, इन पर अंकुश लगाने की जरूरत है। यह भी बताया गया कि रांची के हरमू रोड स्थित काव्स रेस्टोरेंट के पास पार्क में गांजा एवं अफीम की बिक्री होती है। कोर्ट ने रांची एसएसपी को इस पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

## हरमू स्थित पार्क में गांजा-अफीम की बिक्री पर रांची एसएसपी करें कार्रवाई

### पुलिस की एसओपी पर दिया गया सुझाव

इससे पहले एमिकस कुमार वैभव की ओर से बार एवं रेस्टोरेंट के साथ-साथ गांजा, अफीम जैसे मादक पदार्थ की बिक्री रोकने को लेकर पुलिस की एसओपी पर सुझाव दिया गया। इस पर महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि सुझाव पर राज्य सरकार विचार करते हुए आगे कदम उठाएगी। सुनवाई के दौरान रांची में मंदिर एवं शैक्षणिक संस्थाओं के निकट खुदरा शराब दुकान चलने एवं बार के संचालक पर सवाल उठाया गया, जिस पर खंडपीठ ने राज्य सरकार से कहा कि उत्पाद विभाग के एसओपी में इन बिंदुओं पर फोकस रखें, जिससे मंदिर एवं शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास शराब दुकान एवं बार का संचालन ना हो।

## नेवी प्रमुख ने प्रभावी जंग और सामंजस्य के लिए डिविजनल सिस्टम का समझाया महत्व

# समुद्री युद्ध के लिए प्रोफेशनल ट्रेनिंग अत्यंत आवश्यक

**AGENCY NEW DELHI :** देश के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने दक्षिणी कमान के अपने पहले दौरे के दूसरे दिन समुद्री युद्ध की तत्परता और सफल संचालन के प्रमुख निर्धारक के रूप में प्रोफेशनल ट्रेनिंग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पेशेवर प्रशिक्षण देकर मित्रवत विदेशी नौसेनाओं के साथ मैत्री के पुल बनाने में प्रशिक्षण कमान के योगदान को भी रेखांकित किया। संगठन के भीतर प्रभावी युद्ध और सामंजस्य के लिए डिविजनल सिस्टम की ताकत पर भी प्रकाश डाला। नौसेना प्रमुख का कार्यभार संभालने के बाद एडमिरल त्रिपाठी दक्षिणी नौसेना कमान (एसएनसी) की पहली यात्रा पर कोच्चि पहुंचे थे। उन्हें कोच्चि में आईएनएस गरुड़ पर औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनके साथ नेवी वेलफेयर एंड वेलनेस एसोसिएशन (एनडब्ल्यूडब्ल्यूए) की अध्यक्ष शशि त्रिपाठी भी कोच्चि दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन उन्होंने कोच्चि और एसएनसी की विभिन्न इकाइयों में अधिकारियों से बातचीत की।

## मित्रवत विदेशी नौसेनाओं के साथ प्रशिक्षण कमान के योगदान को किया रेखांकित

### नेवी की पेशेवर भूमिका को सराहा

सीएनएस ने गुणवत्तापूर्ण पेशेवर प्रशिक्षण देकर मित्रवत विदेशी नौसेनाओं के साथ मैत्री के पुल बनाने में प्रशिक्षण कमान के योगदान को भी रेखांकित करते हुए वांछित उद्देश्य हासिल करने के लिए कार्यों के पीछे गहरी समझ और उद्देश्य की दिशा में हम क्यों कर रहे हैं, हम क्या कर रहे हैं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संगठन के भीतर प्रभावी युद्ध और सामंजस्य के लिए डिविजनल सिस्टम की ताकत को विस्तार से समझाया।

### अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आग्रह

नौसेना प्रमुख ने सभी कर्मियों से नौसेना और राष्ट्र की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आग्रह किया। उन्होंने सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों को अपनाने का आह्वान किया। नौसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए मजबूत सुरक्षा संस्कृति और सुरक्षा संगठन बनाए रखने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। सीएनएस ने हर समय एक लड़ाकू तैयार, एकजुट और भविष्य के लिए तैयार बल होने की आवश्यकता को दोहराया, जिससे क्षेत्र में पसंदीदा सुरक्षा भागीदार की भूमिका बनी रहे। नौसेना प्रमुख ने पहले दिन दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास के साथ बातचीत की। उन्हें कमान की ओर से विभिन्न प्रशिक्षण, परिचालन, बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक गतिविधियों में हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। भारतीय नौसेना की एक प्रशिक्षण कमान होने के नाते उन्हें विभिन्न प्रशिक्षण सुविधाओं और आधुनिकीकरण परियोजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। नौसेना प्रमुख ने विभिन्न मुद्दों पर हुई प्रगति पर कमान के प्रयासों को सराहा।

### महिलाओं के साथ किसी तरह का अन्याय असहनीय और पीड़ादायक : खड़गे

**NEW DELHI :** गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिलाओं के साथ किसी तरह के अन्याय को असहनीय और पीड़ादायक है। कहा कि संविधान ने महिलाओं को बराबरी का स्थान दिया है। महिलाओं के खिलाफ अपराध एक गंभीर मुद्दा है। इन अपराधों को रोकना देश के लिए बड़ी चुनौती है। हम सबको एकजुट होकर समाज के हर तबके को साथ लेकर इसके उपाय तलाशने होंगे। खड़गे ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि देश में हर घंटे महिलाओं के खिलाफ 43 अपराध रिकॉर्ड होते हैं। हर दिन 22 अपराध ऐसे हैं, जो हमारे देश के सबसे कमजोर दलित-आदिवासी वर्ग की महिलाओं व बच्चों के खिलाफ दर्ज होते हैं।

## जांच एजेंसी ने कई कागजात खंगाले

# पूर्व मंत्री के करीबी हाकिम के घर सीबीआई का छापा

**PHOTON NEWS PAKUR :** पूर्व मंत्री आलमगीर के करीबी हाकिम मोमिन के घर पर सीबीआई की टीम ने छापेमारी की। सीबीआई की टीम गुरुवार को पाकुड़ शहर स्थित हाकिम के घर पर पहुंचकर कागजात की जांच की। आलमगीर के करीबी हाकिम के बारे में सनसनीखेज जानकारी सामने आया है। हाकिम, जिसके पास वर्ष 2020 में पांच हाइवा हुआ करता था, आज की तारीख में उसके नाम से 107 हाइवा व जेसीबी है। वर्ष 2020 वही साल है, जब आलमगीर का ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री होने का सफर शुरू हुआ था। हाकिम की

तरक्की इतनी तेजी से कैसे हुई, यह समझना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है। इन गाड़ियों की अनुमानित कीमत करीब 100 करोड़ है। हाकिम ने सभी वाहनों की रजिस्ट्रेशन पाकुड़ से ही कराया है। हाकिम के नाम से गाड़ियां होने के दस्तावेज लगातार न्यूज नेटवर्क के पास उपलब्ध है। जानकारी के मुताबिक, हाकिम ने 107 वाहनों को खरीदने के लिए अलग-अलग बैंकों से लोन लिया है।

# राजनगर के झोलाछाप डॉक्टर का अपहरण कर कोवाली में की हत्या

## हथियार के साथ दो गिरफ्तार, 20 लाख फिरौती मांगने की फिराक में थे अपराधी

- डॉक्टर ने पहचान लिया इसलिए कर दी हत्या
- ग्रामीणों ने पुलिस को शव उठाने से रोका

घटनास्थल पर जुटे लोग व इनसेट में डॉक्टर की फाइल फोटो

**PHOTON NEWS JSR:** सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना अंतर्गत सिजुलता निवासी बृहस्पति मंडल (57) का गुरुवार को फिरौती के लिए अपहरण कर हत्या कर दी गई। अपहरणकताओं ने कोवाली में बृहस्पति की हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया। हालांकि, सरायकेला-खरसावां और जमशेदपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी मौके से भागने में सफल रहा। गिरफ्तार आरोपियों में राजनगर के ओढ़ागुडु निवासी चंदन गोप और जमशेदपुर के सुंदरनगर निवासी रोहित कुमार सिंह शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक हथियार और घटना में प्रयुक्त कार जब्त कर ली है। इधर, घटना के बाद राजनगर पुलिस शव को जब्त करने मौके पर पहुंची पर ग्रामीणों ने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया।

**सरायकेला और जमशेदपुर पुलिस ने अभियान चलाकर पकड़ा :** मृतक बृहस्पति मंडल का राजनगर के पियालडीह में मंडल क्लीनिक नाम से डेंटल क्लिनिक है। क्लीनिक में उनके बेटे भास्कर मंडल बैठते हैं,जबकि बृहस्पति मंडल क्लीनिक में बेटे का हाथ बंटाते थे। गुरुवार सुबह 9.30 बजे बृहस्पति मंडल अपने घर से क्लीनिक जाने के लिए निकले थे। इसी बीच कार से आए चंदन, रोहित और एक ने युवक ने हथियार दिखाकर बृहस्पति का अपहरण कर अपनी कार में बिठाया। इसी बीच पुलिस को खबर मिली। सरायकेला पुलिस ने जमशेदपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से अभियान चलाकर जांच अभियान चलाया। पुलिस को देखकर आरोपी कार लेकर कोवाली से पोटका की ओर भागे पर रास्ते में ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया पर उससे पहले ही बृहस्पति की हत्या कर दी गई।

**कार मैकेनिक का काम करता था चंदन :** चंदन ने पुलिस को बताया कि वह बृहस्पति मंडल के घर के पास ही रहता है, इसलिए वह बृहस्पति मंडल को जानता है। वह सुंदरनगर में कार मैकेनिक का काम करता था। दो माह पूर्व रोहित उसके पास कार बनवाने आया था,जहां दोनों के बीच पहचान बढ़ी। इसके बाद दोनों ने अपहरण का प्लान बनाया था।

### गमछे से गला घोंटकर मार दिया

पूछताछ में चंदन ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों पूर्व ही उसने साथियों के साथ मिलकर अपहरण कर फिरौती की मांग करने का प्लान बनाया था। कार रोहित सिंह की थी। सभी 20 लाख फिरौती मांगकर आपस में बांटने वाले थे। अपहरण कर कोवाली के हरिना मंदिर में छिपने वाले थे। फिरौती की रकम मिलने के बाद बृहस्पति को छोड़ देते। सभी ने कार में बृहस्पति के साथ मारपीट का एक वीडियो भी बनाया। इसी बीच बृहस्पति ने उन्हें पहचान लिया। पहचान उजागर हो जाने के डर से गमछा से गला घोंटकर हत्या कर दी।

दुर्घटनास्थल पर सड़क जाम करते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

# बालू लदे डंपर से कुचल कर बाइक सवार युवक की मौत, किया रोड जाम

**PHOTON NEWS SARAIKELA:** सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ थाना क्षेत्र में तिरूलडीह मिलन चौक पर सोड़ो मोड़ के पास बालू से लदे डंपर ने बाइक को कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। इस घटना में पश्चिम बंगाल के बाघमुंडी थाना क्षेत्र के सींदरी निवासी 12 वर्षीय सुनील महतो के पिता सपन महतो और 9 वर्षीय बहन पद्मा महतो गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को मिलन चौक स्थित एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इसके बाद वहां स्थानीय लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया। सभी बाइक पर सवार होकर सोनाहातु के गाड़ाडीह से अपने घर सींदरी जा रहे थे। इसी दौरान सोड़ो मोड़ के पास आजसू पार्टी के नेता हरेलाल महतो की कंपनी एचएलएम इंटरप्राइजेज का डंपर बाइक पर चढ़ गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही ईचागढ़ थाना प्रभारी विक्रम आदित्य पांडे और तिरूलडीह थाना प्रभारी आलम चांद महतो दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत कराने के प्रयास में लग गए। ग्रामीणों ने करीब 3 घंटे तक सड़क पर हंगामा किया, जिसमें उन्होंने एचएलएम इंटरप्राइजेज द्वारा ओवरलोड बालू के परिवहन को बंद कराने, मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। पुलिस के पहुंचने पर आक्रोशित लोगों ने प्रशासन और एचएलएम इंटरप्राइजेज के खिलाफ नारेबाजी की और मुआवजा दिए बिना शव को उठाने का विरोध किया। ग्रामीणों का आरोप है कि वैध बालू डंपिंग की आड़ में एचएलएम इंटरप्राइजेज अवैध रूप से ओवरलोड बालू का कारोबार करती है, जिसमें बालू को तिरपाल से ढंका भी नहीं जाता। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

# अधिवक्ता के मौत मामले में एसएसपी से मिले अधिवक्ता

एसएसपी कार्यालय पहुंचे अधिवक्ता ● फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR :** राजस्थान के जयपुर में अधिवक्ता प्रवीण कुमार दुबे की मौके के मामले में गुरुवार को जमशेदपुर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रथींद्रनाथ दास के नेतृत्व में एसएसपी से मिलने पहुंचा। इस दौरान एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर मामले की उचित जांच करने का आग्रह किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने खुद को न्यायिक कार्य से अलग रखा। ज्ञापन में बताया गया कि 28 अगस्त को सुबह तीन बजे जयपुर के एक होटल में प्रवीण दुबे की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। यह अस्वाभाविक मौत का मामला प्रतीत नहीं होता है। अधिवक्ताओं ने मांग की है कि जयपुर पुलिस इस मामले की उचित जांच करे। एसएसपी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे जयपुर के एसएसपी से बात कर इस बात को रखेंगे। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव कुमार राजेश रंजन, अधिवक्ता अजय सिंह राठौड़, संयुक्त सचिव विनीता सिंह, संजीव रंजन बरियार सहित लगभग 200 अधिवक्ता थे।

## तेज बहाव में बहे युवक का दो दिन बाद बोड़दा नदी में मिला शव

**CHAKRADHARPUR :** चक्रधरपुर के बंगलाटांड़ स्थित विंजय नदी में नहाने के दौरान नदी के तेज बहाव में बहने वाले युवक मो. अशरफ का शव गुरुवार को दो दिन बाद चक्रधरपुर के बोड़दा नदी स्थित पुल के समीप झाड़ियों में मिला। नदी में बहने वाले 22 वर्षीय युवक की खोजबीन के लिए स्थानीय लोग दो दिन से जुटे हुए थे। वहीं एनडीआरएफ टीम को भी सूचना दी गई थी। इसी क्रम में गुरुवार को जब बंगलाटांड़ के कुछ युवक बोड़दा पुल के समीप नदी के आसपास खोजबीन कर रहे थे, तो नदी किनारे झाड़ियों में फंसा मो. अशरफ का शव देखा। इसके बाद इसकी सूचना मृतक के परिजनों व बंगलाटांड़ स्थित लोगों को दी। वहीं परिजनों की मौजूदगी में शव को नदी से बाहर निकाला गया। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

# सांप को गले में लपेटकर घूम रहा था अधेड़, दम घुटने से हो गई मौत

**PHOTON NEWS JSR:** शहर में गुरुवार को एक अजीब घटना सामने आई। आमतौर पर लोग सर्पदंश से मरते हैं, लेकिन यहां एक अजगर सांप एक अधेड़ के गले में इस तरह लिपट गया कि व्यक्ति की दम घुटने से मौत हो गई। घटना मानगो थाना क्षेत्र के हीरा होटल के समीप की है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह बोड़ाम थाना क्षेत्र के रपचा गांव निवासी हेमंत सिंह (55) अपने गले में अजगर सांप लटका कर घूम रहा था। वह लोगों को सांप दिखाकर पैसे मांग रहा था। इस दौरान वह नाच-गा भी रहा था। इसी बीच अजगर ने अपनी पकड़ मजबूत कर दी, जिससे हेमंत की मौके पर ही मौत हो गई। हेमंत तो मर गया, लेकिन सांप अगल- बगल विचरने लगा, जिससे आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना भाजपा नेता विकास सिंह को दी। सूचना पाते ही विकास सिंह मौके पर पहुंचे और सांप पकड़ने वाले चीकू कालिंदी को बुलाकर सांप पकड़वाया। सांप पकड़कर वन विभाग को सौंप दिया गया।

घटनास्थल पर पड़ा शव

### बकरी बेचने शहर आता था हेमंत

स्थानीय लोगों ने बताया कि हेमंत मानगो में कभी बकरी तो कभी पत्ता बेचने आया करता था। वह इसके पूर्व भी एक बार सांप का सिर लेकर घूम रहा था। गुरुवार को वह पत्ता बेचने तो आया, परंतु अपने गांव से झोले में सांप रख कर लाया। तभी वह सांप को गले में लपेटकर मस्ती करने लगा, जिसके बाद सांप ने उसे जोर से जकड़ लिया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में हेमंत के बेटे जगबंधु के बयान पर पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया है।

## समाचार सार

### लायंस क्लब ने ग्रामीण बच्चों में बांटी खेल सामग्री

**JAMSHEDPUR :** राष्ट्रीय खेल दिवस पर लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर के सदस्य गुरुवार को पोटका गए थे, जहां उन्होंने मध्य विद्यालय खैरपाल (उड़िया स्कूल) में बच्चों के बीच खेल सामग्री बांटी। स्कूली बच्चों को फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, चेस बोर्ड व गोटी और इसके साथ पांच डस्टबिन भी दिए गए। इस दौरान विधायक संजीव सरदार ने टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा निर्मित दो कमरों का उद्घाटन भी किया। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाध्यापक संजय केशरी लायंस क्लब के शशि गाडिया, माहरुख मेहता, पूरबी घोष, मदन केशरी, शिवशंकर गाडिया, केटी मालेगमवाला, संजय केसरी, टीएसएफ से सौम्यदीप जाना आदि उपस्थित थे।

### आजसू का युवा बेरोजगार बायोडाटा अभियान शुरू

**JAMSHEDPUR :** आजसू जिला समिति की बैठक गुरुवार को टिनप्लेट स्थित काली मंदिर प्रांगण में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने पार्टी द्वारा निर्देशित युवा बेरोजगार बायोडाटा संग्रह अभियान शुरू करने और पूर्वी सिंहभूम जिले के हर प्रखंड में हर पंचायत में हर चौक-चौराहे पर डाटा संग्रह कर पूर्वी सिंहभूम जिला से 40 हजार बेरोजगार युवाओं का डाटा कलेक्ट करने का संकल्प लिया।

### पंचायत स्तर पर खुलेगा विधिक सेवा सहायता केंद्र

**CHAIBASA :** झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा द्वारा पंचायत स्तर पर विधिक सेवा सहायता केंद्र खोलने के प्रयास किया जा रहे हैं। प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने इस संबंध में अर्ध विधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) के साथ एक बैठक कर पंचायत स्तर पर वैसे स्थानो को चिह्नित करने का निर्देश दिया, जहां ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सकें।

### एमबीएनएस में आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला

**JAMSHEDPUR :** एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के एनएसएस सेल की ओर से गुरुवार को आपदा प्रबंधन पर कौशल विकास कार्यशाला हुई, जिसमें छात्रों को आपदा से निपटने के गुर सिखाए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि व प्रवक्ता के रूप मे पूर्व सैनिक भारतीय सेना के लांसनायक हरि प्रसाद सिंह ने आपदा के प्रकार और आपदा से खुद को बचाने के साथ कौशल विकास का तरीका और अपने अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम मे प्राचार्या पिंकी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका भारती, भबतारण भकत, डॉली सिंह, मिली कुमारी, मधुसूदन महतो और सभी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

# ई-विद्यावाहिनी में 81 प्रतिशत शिक्षक ही बना रहे हाजिरी, सभी बनाएं : डीडीसी

समाहरणालय सभागार में बैठक करते उपविकास आयुक्त मनीष कुमार

**PHOTON NEWS JSR:** उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर समाहरणालय सभागार में गुरुवार को शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक हुई। उपविकास आयुक्त (डीडीसी) मनीष कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा के दौरान पाया गया कि 81 प्रतिशत शिक्षक द्वारा ही ई-विद्यावाहिनी में उपस्थिति दर्ज की जा रही है। निर्देश दिया गया कि शत-प्रतिशत शिक्षक प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करेंगे। कस्तूरबा गांधी विद्यालय में शिक्षक की अनुपस्थिति अधिक पाई गई, निर्देश दिया गया कि पूर्व अनुमति लेकर ही शिक्षक अवकाश पर जाएंगे। इसके साथ ही ई- विद्यावाहिनी में मात्र 68% छात्रों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है, निर्देश दिया गया कि सभी विद्यालयों को प्रतिदिन सभी बच्चों की बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करेंगे। बैठक में विद्यालयों में अब तक हुए बच्चों के कुल नामांकन, वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्कूलों को भेजे गए स्कूल अनुदान राशि का उपयोग, व्यय की स्थिति, वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्यार्थियों को देय छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण की अद्यतन स्थिति, विद्यार्थियों का बैंक खाता और आधार खाता सहित सूची, बैंक खाता के सत्यापन संबंधी प्रतिवेदन, मध्याह्न भोजन योजना (मिडडेमील) समेत अन्य विभागीय योजनाओं एवं आधारभूत संरचना निर्माण की आवश्यकताओं की समीक्षा की गई।

**उत्कृष्ट विद्यालयों में 3 दिन के अंदर पूर्ण करें नामांकन :** उपविकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में तीन दिनों के अंदर सभी सीटों पर नामांकन पूर्ण कर लिया जाए। बैठक में सभी स्कूली बच्चों का आधार नंबर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की समीक्षा में पाया गया कि विद्यावाहिनी में 91% पुस्तक वितरण अंकित है।

## भुइयांडीह के घरों को तोड़ने के मामले पर 'आप' ने किया प्रदर्शन

**JAMSHEDPUR :** आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने भुइयांडीह के इंद्रानगर व छाया नगर के 150 घरों को तोड़ने की नोटिस पर आक्रोश व्यक्त किया। आप नेता अभिषेक कुमार के नेतृत्व में अंचल कार्यालय से मिली नोटिस के विरुद्ध प्रदर्शन में इंद्रानगर की महिलाएं भी शामिल थीं। इनका कहना था कि वे यहां 40-50 साल से रह रहे हैं। उन्हें सरकार द्वारा बिजली, पानी, पक्की सड़कें और शौचालय की सुविधा दी गई है। इनमें ज्यादातर लोग रोज कमाने-खाने वाले हैं। ऐसे में उनका घर तोड़ना हमारे लिए आत्महत्या करने के बराबर होगा।

# सोनुआ स्टेशन में फुटओवर ब्रिज के खंभे से टकराई मालगाड़ी

दुर्घटना के बाद पटरी ठीक करते रेलकर्मी

**CHAKRADHARPUR :** चक्रधरपुर रेल मंडल के सोनुआ स्टेशन में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अप लाइन में चल रही मालगाड़ी के एक वैगन का दरवाजा स्टेशन के फुटओवर ब्रिज के खंभे से टकरा गया। इस दौरान जोर की आवाज हुई। आवाज सुनकर लोको पायलट ने मालगाड़ी को रोका। इस घटना में एफओबी का पिलर क्षतिग्रस्त हो गया। इधर, घटना के बाद अप और डाउन लाइन में ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया। रेलवे के अधिकारियों ने थर्ड लाइन से ट्रेनों का परिचालन किया, जिससे कई ट्रेनें देर से चली।

### सुबह 9.45 की घटना

टाटानगर एआरएम अभिषेक सिंघल ने बताया कि सुबह मालगाड़ी सोनुआ स्टेशन को पार कर रही थी। मालगाड़ी के एक वैगन का दरवाजा खुला हुआ था, जो सुबह करीब 9.45 बजे पिलर से टकरा गया। घटना की जानकारी मिलते ही अप और डाउन लाइन में परिचालन को बंद कर दिया गया है। रेलवे के अधिकारी पिलर को ठीक करने में लगे हुए हैं। जल्द ही पिलर को ठीक कर परिचालन सामान्य कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसे लेकर जांच के आदेश दिए गए हैं।

### विश्व आत्महत्या निवारण दिवस पर कल से होगी विभिन्न प्रतियोगिता, छात्र करेंगे नुक्कड़ नाटक

# खेल-खेल में छात्र सीखेंगे तनाव से निपटने के गुर

- खूंटाडीह के आरएमएस स्कूल से होगी शुरुआत
- प्रतिभागियों से 25 अगस्त तक मांगा गया था आवेदन

बिष्टुपुर स्थित जीवन का कार्यालय ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JSR :** विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (10 सितंबर) के उपलक्ष्य में आत्महत्या निवारण केंद्र 'जीवन' द्वारा 31 अगस्त से स्कूल-कॉलेज में कई गतिविधियां और प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रही है। इसके अंतर्गत 31 अगस्त को खूंटाडीह, सोनारी स्थित आरएमएस स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिता होगी। इस वर्ष का विषय 'आत्महत्या के बारे में व्याख्यान को बदलें-बातचीत शुरू करें' का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य, आत्महत्या, और आत्मघाती व्यवहार पर खुली चर्चा को प्रोत्साहित करना है, ताकि इन मुद्दों से जुड़े अपमान को कम किया जा सके। मुख्य कार्यक्रमों में से एक रैली है, जिसे स्कूलों और कॉलेजों में 3 सितंबर से 10 सितंबर के बीच आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। 6 से 8 प्रतिभागियों की टीमें इस वर्ष की थीम पर हिंदी में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करेंगी। प्रत्येक नाटक की अवधि अधिकतम तीन मिनट होगी और इसमें दो गाने शामिल होने चाहिए, जो जीवन के महत्व और मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत शुरू करने के बारे में हों। इसके लिए स्कूलों को 25 अगस्त तक प्रतिभागियों के नाम जमा करना था। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे और प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष तीन विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार वितरण वर्ल्ड सुसाइड प्रिवेंशन डे के कार्यक्रम के दौरान 10 सितंबर को किया जाएगा, जहां नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता की विजेता टीमें भी प्रदर्शन करेंगी।

### मानसिक स्वास्थ्य पर होगी पेंटिंग प्रतियोगिता

**टी-शर्ट पेंटिंग :** प्रतिभागी मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को उजागर करने वाले नारे वाली टी-शर्ट डिजाइन करेंगे। जीवन टी-शर्ट प्रदान करेगा, लेकिन प्रतिभागियों को अपने पेंटिंग सामग्री खुद लानी होगी। प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी डिजाइन पूरी करने के लिए एक घंटा दिया जाएगा। वे अंग्रेजी या हिंदी में नारे लिख सकते हैं। स्कूलों को 25 अगस्त तक प्रतिभागियों के नाम जमा करने होंगे।

**वाद-विवाद प्रतियोगिता :** वाद-विवाद का विषय होगा ह्यशैक्षणिक संस्थानों में आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा की प्रभावशीलताह्न। टीमों में दो प्रतिभागी होंगे, एक प्रस्ताव के पक्ष में और दूसरा विपक्ष में बोलेंगे। वाद-विवाद अंग्रेजी या हिंदी में होगा, और प्रत्येक वक्ता को दो मिनट मिलेगा।

## ऑटो चालक ने 12 वर्षीय बच्ची के साथ किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

**JAMSHEDPUR :** सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित बारीडीह निवासी 12 वर्षीय विक्षिप्त बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार की है। हालांकि, मामले का खुलासा गुरुवार को उस वक्त हुआ, जब पीड़िता की बड़ी बहन ने इसकी जानकारी अपनी मां को दी। इसके बाद आरोपी को पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी विजय मुर्मू बारीडीह बजरंग चौक का रहने वाला है। मंगलवार को वह घर पर आया था। बेटी घर पर अकेली थी। वह बेटी को अपने साथ बाहर ले गया। घर के बाहर एक कंडम कार खड़ी है। विजय ने बेटी के साथ कार में दुष्कर्म किया। इस बीच बड़ी बेटी ने उसे ऐसा करता देखा और भगा दिया। बड़ी बेटी ने सारी कहानी बताई जिसके बाद विजय को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर, पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी कर रही है। जानकारी देते हुए पीड़िता की मां ने बताया कि वह अपनी तीन बेटी और एक बेटा के साथ रहती है। मंझली बेटी मानसिक रुप से विक्षिप्त है। आरोपी विजय ऑटो चालक है और पड़ोस में रहने वाली फुआ की बेटी से एकतरफा प्रेम करता है।

# टाटा स्टील गेट के सामने ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कंपनी गेट के सामने नारेबाजी करते मजदूर ● फोटोन न्यूज

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी स्थिति टाटा स्टील के बॉटम बीन गेट के सामने रोजगार समेत विभिन्न मांगों को लेकर जाम कर दिया। नोवामुंडी के महूदी और सरबिल के ग्रामीणों ने मुख्य गेट के समक्ष प्रदर्शन करने से लगभग 5 घंटे तक प्लांट का कामकाज ठप रहा। इस दौरान फर्स्ट शिफ्ट में ड्यूटी करने आए मजदूरों को बाहर में ही आंदोलन खत्म होने तक इंतजार करना पड़ा। इससे पूर्व भी ग्रामीणों द्वारा टाटा प्रबंधन को अल्टीमेटम दिया गया था, परंतु कंपनी द्वारा कोई पहल नहीं किए जाने पर महूदी और सरबिल के मुंडा के नेतृत्व में ग्रामीणों और रैयतदारों द्वारा सुबह 5 बजे से गेट जाम कर दिया गया। इसके बाद कंपनी में हड़कंप मच गया। मुख्य प्रशासक दीपक श्रीवास्तव से वार्ता के बाद गेट जाम समाप्त हुआ।

# तेंदुए की खाल बेचने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार, राजस्थान का गिरोह शामिल

## पूर्व में पांच की हो चुकी है गिरफ्तारी, दूसरे राज्य के गिरोह से मिलती थी ट्रेनिंग

**PHOTON NEWS JSR :** जमशेदपुर वन प्रमंडल को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। वन विभाग की टीम ने बीते दिनों ही तेंदुए की खाल की तस्करी करने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। वन विभाग ने इसी मामले से जुड़े तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जाकिर हुसैन, दिनेश्वर सिंह और विजय यादव शामिल हैं। टीम ने सभी को डाल्टनगंज के बीहड़ इलाकों से गिरफ्तार किया। मंगलवार को वन विभाग ने मामले का खुलासा किया। डीएफओ सबा आलम अंसारी ने बताया कि पूर्व में वन विभाग ने तेंदुए की खाल के साथ अशोक विश्वकर्मा, श्याम कुजूर, सुरेश कुजूर, राज कुमार और विजय को गिरफ्तार किया था। उनसे मिली जानकारी के बाद आरएफओ दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर डाल्टनगंज में छापेमारी की गई। टीम ने तीन दिनों तक क्षेत्र में कैंप कर मुखबिरों की मदद से गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर जानवरों को पकड़ने वाला पिंजड़ा, हिरण की सींग समेत अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं।

**राजस्थान के सिंगारा गिरोह से जुड़े तार :** डीएफओ ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपी पलामू और आसपास के जंगलों में शिकार किया करते थे। इसके लिए राजस्थान के सिंगारा ग्रुप द्वारा इन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी कि किस तरह जानवरों को पकड़ा जाए और उनके क्षेत्र को ढूंढा जाए। यह गिरोह बीते 10 सालों से क्षेत्र में सक्रिय होकर शिकार करता था। अब तक कई जानवरों का शिकार कर चुके हैं।

तस्करी मामले की जानकारी देते वन विभाग के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

### अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े होने की आशंका

आरएफओ दिग्विजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद यह भी संभावना जताई जा रही है कि यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करता है। हालांकि, इसका खुलासा राजस्थान के सिंगारा गिरोह के पकड़ाने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल टीम राजस्थान जाकर गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी करेगी।

## लूटी गई रकम के साथ एक अपराधी गिरफ्तार, दो फरार

**GIRIDIH :** गिरिडीह मुफ्फसिल थाना पुलिस ने गुरुवार को लूटी गई रकम और जेवर के साथ पेशेवर अपराधी हनीफ अंसारी को गिरफ्तार किया है। हनीफ अंसारी जिले के गांडेय थाना इलाके के फुलजोरी का रहने वाला है। हनीफ के पास से पुलिस ने लूटे गए चार लाख 84 हजार नकद और करीब 70 हजार का सोने और चांदी का जेवर बरामद किया है। एसडीपीओ बिनोद रवानी, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि हनीफ 23 अगस्त को मुफ्फसिल थाना के झरियागादी गांव निवासी अजीम अंसारी के घर पहुंचा और अजीम के बेटे इम्तियाज का नाम लेते हुए घर का में गेट खुलवाया। इस दौरान जब अजीम अंसारी ने गेट खोलते ही दो अन्य साथियों ने अजीम अंसारी परिवार के सदस्यों को हथियार के बल पर अपने कब्जे में कर लिया। सबों को घर के एक कमरे में बंद कर दूसरे कमरे में रखे बक्से में नगद 4 लाख 84 हजार के साथ 70 हजार का जेवर लूट लिया।

# मेडिकल कॉलेज में महिला कर्मचारी से छेड़खानी, प्रबंधन से शिकायत

## बायोकेमेस्ट्री के लैब टेक्नीशियन अमरेंद्र कुमार पर लगाया आरोप

**DHANBAD :** धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में गुरुवार को महिला कर्मचारी से छेड़खानी का मामला सामने आया है। मेडिकल कॉलेज के बायोकेमेस्ट्री विभाग में कार्यरत सरकारी लैब टेक्नीशियन अमरेंद्र कुमार सिंह पर यहीं काम करने वाली आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारी ने छेड़खानी और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने इसकी शिकायत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ज्योति रंजन प्रसाद से की है। पीड़िता ने बताया कि अमरेंद्र कुमार सिंह लगातार काम के दौरान गलत नीयत रखता था। अक्सर छेड़खानी और दुर्व्यवहार करता रहता है। इस परिस्थिति में वह काम नहीं कर सकती है और अमरेंद्र पर कार्रवाई की मांग की है।

**कॉलेज प्रबंधन ने शुरू की जांच :** पीड़ित महिला कर्मचारी की शिकायत के बाद कॉलेज प्रबंधन हरकत में आ गया है। कॉलेज प्रबंधन इस मामले पर बैठक कर-के आगे की रणनीति बना रही है।

### साक्षात्कार के दौरान डॉक्टर ने महिला डायटीशियन से की अश्लील बातें, बवाल

**DHANBAD :** नावाडीह के बिनोद बिहारी चौक स्थित अलकारी देवी अस्पताल में डॉक्टर पर महिला डायटीशियन से साक्षात्कार के दौरान अश्लील बात करने का आरोप लगा है। न्याय की मांग को लेकर महिला डायटीशियन ने पुलिस और जिला प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है। डायटीशियन ने बताया कि उसने हैदराबाद से डायटीशियन का कोर्स किया है। 24 अगस्त को साक्षात्कार के लिए अलकारी देवी अस्पताल में बुलाया गया था। अस्पताल के संचालक डॉ. मनीष कुमार अकेले अपने कमरे में साक्षात्कार ले रहे थे। साक्षात्कार के दौरान तो पहले उन्होंने पढ़ाई- लिखाई से संबंधित सवाल पूछे। धीरे-धीरे उन्होंने अश्लील बातें शुरू कर दी। कई गंदी-गंदी बातें वह करने लगे। इससे वह काफी असहज हो गई। और काफी तनाव में भी आ गई।

**घर वालों को बताने पर हुआ बवाल :** डायटीशियन के भाई ने पत्रकारों को बताया कि घर में बहन आकर काफी गुमसुम हो गई, जब पूछा गया, तब उसने पूरी घटना बताई। इसके बाद सभी लोग अलकारी देवी अस्पताल गए। यहां डॉ. मनीष का व्यवहार काफी खराब रहा। अब तक घर वाले जिला प्रशासन और पुलिस का सहारा ले रहे हैं।

**आरोप गलत : डॉ. मनीष**

इधर अलकारी देवी अस्पताल के संचालक डॉ. मनीष ने बताया है कि डायटीशियन ने गलत आरोप लगाया है। मेरे यहां सीसीटीवी लगा है। इसकी जांच पड़ताल की जा सकती है।

# जिले के चेकपोस्ट पर ढिलाई से अवैध बालू परिवहन में वृद्धि

**HAZARIBAG :** जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स की मासिक बैठक गुरुवार को उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में हुई। समाहरणालय सभागार में हुई बैठक में उपायुक्त ने बताया कि जिलास्तर पर बने कुल 9 अस्थायी चेकपोस्ट का सुचारू रूप से क्रियान्वयन न होने के कारण बालू से लदे वाहनों के परिचालन में वृद्धि हुई है। बड़कागांव, कटकमदाग, सदर, बरकट्ठा, कटकमसांडी, पेलावल आदि से अवैध परिवहन की सूचनाएं दैनिक समाचार पत्रों, स्थानीय प्रतिनिधियों एवं राज्य स्तर से लगातार प्राप्त हो रही हैं. जिसकी रोकथाम जरूरी है। विशेष शाखा, झारखंड, रांची से प्राप्त पत्र के अनुसार बड़कागांव क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से बालू उठाव कर कटकमदाग होते हुए बालू परिवहन का मामला प्रतिवेदित किया गया है। चौपारण थानांतर्गत क्षेत्रों से भी नदियों से स्थानीय मिलीभगत कर बालू के अवैध परिवहन का मामला की जानकारी के आधार पर स्थानीय प्रशासन व पुलिस को टीम गठित कर नियमित रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाकर ऐसे गतिविधियों पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। खनन विभाग द्वारा बड़कागांव, चुरचू, विष्णुगढ़, चरही आदि क्षेत्रों से कोयला के अवैध खनन, परिवहन के संदर्भ में उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी खनिज से लदे वाहनों को ओवरलोड के मामले में पकड़े गए वाहनों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। अवैध खनन व परिवहन की रोकथाम के लिए जिले के सभी थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए।

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय

## डीएमएफटी मद से स्वीकृत योजनाओं में तेजी लाएं : उपायुक्त

**HAZARIBAG :** डीएमएफटी द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक गुरुवार को उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में हुई। समाहरणालय सभाकक्ष में हुई बैठक में उपायुक्त ने डीएमएफटी मद से स्वीकृत योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग के बर्न यूनिट का उन्नयन निर्माण कार्य,लेबर रूम तथा ट्रॉमा सेंटर का उन्नयन, आयुष भवन का उन्नयन, कैंटीन भवन का उन्नयन, जिला यक्ष्मा भवन का उन्नयन, अस्पताल परिसर में मरीजों, स्ट्रेचर, व्हीलचेयर आदि के आगमन के लिए विविध पाथवे का निर्माण, रूटीन इम्यूनाइजेशन सेंटर का उन्नयन निर्माण कार्य आदि पर चर्चा हुई। पंचकर्म प्रशिक्षण सह सेवा केंद्र भवन का चारदीवारी एवं अन्य निर्माण कार्य के लिए कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल द्वारा निर्माण कार्य हेतु दिए गए प्राक्कलन राशि 56 लाख 65 हजार 300 रु पर विचार विमर्श किया गया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरचू में चिकित्सक एवं पारा चिकित्सा कर्मियों के आवासन को भवन निर्माण के लिए प्राप्त 1 करोड़ 62 लाख 76 हजार 200 रुपये की प्राक्कलित राशि पर विचार विमर्श किया गया।

# बिजली तार चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश, दो लोग गिरफ्तार

## आठ क्विंटल चोरी के अल्युमीनियम तार और अन्य सामान बरामद

**KHUNTI :** हाईटेंशन विद्युत अल्युमीनियम तार की चोरी करने वाले अंतर जिला गिरोह का पदार्फाश करते हुए तोरपा थाना की पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास सें लगभग 800 किलोग्राम हाईटेंशन बिजली का अल्युमीनियम तार बरामद किया गया हे। पकड़े गये दोनों आरोपितों में मधुकम रांची निवासी गणेश कुमार और मधुकम, महुआ टोली रांची सिकंदर सिंह शामिल हैं। तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने गुरुवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खूंटी के पुलिस कप्तान अमन कुमार को बुधवार को गुप्त सूचना मिली कि एक अंतर जिला गिरोह कमाडारा की ओर से हाईटेंशन बिजली के अल्युमीनियम तार की चोरी कर छोटे वाहन से खूंटी की ओर ले जानेवाला है। सूचना के सत्यापन और विधि सम्मत कार्रवाई करने के लिए एसपी के निर्देश पर तोरपा के एसडीपीओ के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम में तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय और अन्य पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया। पुलिस टीम ने गुरुवार को सुबह पौने पांच बजे तोरपा थाना क्षेत्र के दियांकेल गांव के पास से एक मारुति सुजुकी सुपर कैरी माल वाहक गाड़ी नंबर जेएच 01 डीपी 2159 जो तिरपाल से ढका हुआ था, सड़क किनारे खड़ा पाया। पीसीआर गाड़ी को देखकर वाहन पर सवार लोग गाड़ी लेकर भागने लगे। संदेह होने पर थाना प्रभारी तोरपा और पुलिस टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए उक्त गाड़ी का पीछा कर कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया गया।

चोरी मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

वाहन पर दो लड़के सवार थे। चालक सीट पर बैठे व्यक्ति से पूछने पर उसने अपना नाम गणेश कुमार ग्राम मधुकम छोटानागपुर स्कूल के पास थाना सुखदेव नगर, जिला रांची बताया।

## खेल में साधन और साधना दोनों समाहित है : कुलपति

**DHANBAD :** खेल में साधन और साधना दोनों समाहित है। खेल एक आदर्श जीवन के लिए भी जरूरी है। यह अनुशासन सिखाती है। यह बातें बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति डॉ. रामकुमार सिंह ने गुरुवार को कहीं। राष्ट्रीय खेल दिवस पर विश्वविद्यालय में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया था।

इस दौरान कुलपति ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जीवनी साझा की। इससे पूर्व मेजर ध्यानचंद और बिनोद बिहारी महतो की तस्वीर पर कुलपति डॉ. सिंह, प्रतिकुलपति डॉ. पवन कुमार पोद्दार समेत सभी शिक्षकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद विश्वविद्यालय परिसर में ही दौड़ का आयोजन हुआ।

# धनबाद की नदी में डूबा बिहार के राजगीर का युवक, दो साथी बचे

**DHANBAD :** झारखंड के धनबाद जिले में स्नान करने के दौरान बिहार के राजगीर का युवक डूब गया, जबकि उसके दो साथी डूबने से बच गए। यह घटना निरसा स्थित नयाडांगा काली मंदिर के समीप की है। वहां खुदिया नदी के सातघटिया घाट पर स्नान के दौरान बिहार के राजगीर का रहने वाला 25 वर्षीय सचिन यादव डूब गया। इस दौरान उसके साथ स्नान कर रहे उसके दो साथियों ने उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगाई, लेकिन नदी की तेज धार में वे भी डूबने लगे। दोनों ने किसी तरह अपनी जान बचाई, लेकिन सचिन का कोई अता पता नहीं चल रहा है। घटना की सूचना पाकर निरसा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और डूबे युवक को खोजने का प्रयास कर रही है।

घटनास्थल पर जुटी भीड़ ● फोटोन न्यूज

**कारोबार के सिलसिले में कोलकाता से आए थे युवक :** इस संबंध में सचिन के साथ स्नान कर रहे उसके गांव के रिश्ते के चाचा अरविंद यादव एवं संतोष कुमार ने बताया हमलोग कोलकाता से बिस्कुट लोड कर बरकट्ठा जा रहे थे। रात्रि में हम लोग निरसा के गुरुदास नगर में रुके थे। गुरुवार की सुबह नदी में स्नान कर हम लोग ट्रक लेकर बरकट्ठा के लिए निकलने वाले थे। तभी नदी में स्नान करने के दौरान अचानक सचिन पानी के तेज बहाव में बहने लगा। हम लोग उसे बचाने के लिए नदी में कूदे। परंतु नदी की तेज धार और भंवर में हमलोग भी डूबने लगे। किसी तरह भाग कर हमने अपनी जान बचाई।

## हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

**LOHARDAGA :** पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सेमरडीह निवासी उदित उरांव को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। एसपी हरीश बिन जमा ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि सेमरडीह गांव निवासी उदित उरांव के पास अवैध हथियार है। मामले को लेकर एसपी द्वारा छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी टीम ने उदित उरांव के घर की तलाशी ली तो उसके सोने वाले कमरे में रखे टेबल के अंदर एक देसी कट्टा पाया गया। छापामारी दल द्वारा उदित उरांव को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया।

## बाइक की डिक्की तोड़कर लाखों के जेवर लेकर उचक्के फरार

**PALAMU :** जिले के सतबरवा के अंसार मुहल्ले में स्थित साक्षी ज्वेलर्स सह बर्तन दुकान पर पार्क की गयी बाइक की डिक्की तोड़कर लाखों रुपए के जेवर लेकर उचक्के बुधवार रात फरार हो गए। दुकान मालिक ज्वेलरी डिक्की में रखकर एक व्यक्ति से मिलने गया था। एनएच 75 रांची-डालटनगंज मुख्य मार्ग पर घटना होने से लोगों में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलने पर सहायक अवर निरीक्षक राजीव रंजन (टू) बसंत दुबे एवं राजीव रंजन (वन) पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन प्रारंभ कर दी है। बताया जाता है कि दुकान संचालक सह मालिक बजरंगी सोनी दुकान बढ़ाने की तैयारी में था। उसने हर दिन की तरह दुकान से जेवर निकालकर अपनी बाइक की डिक्की में रखा था एवं सड़क की दूसरी छोर पर एक व्यक्ति से मिलने गया हुआ था। अगल-बगल की दुकानें खुली हुई थीं। दुकानदार के अनुसार मुश्किल से दो मिनट के लिए सड़क के उस पार जाने के बाद लौटने पर देखा कि उसकी बाइक की डिक्की का ताला टूटा हुआ है। डिक्की में रखा जेवर गायब पाकर उसके होश उड़ गए और वह बदहवासी में इधर-उधर खोजने के लिए दौड़ने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि बजरंगी सोनी बड़ी मुश्किल से उधर लाकर जेवर बेचने का काम करता था।

घटनास्थल पर हंगामा करते लोग

## सिपाही बहाली दौड़ में 28 अभ्यर्थी हुए बेहोश

**GIRIDIH :** सरकारी नौकरी की प्रतिस्पर्धा में हर युवा सफल होने के लिए काफी मेहनत करता है। इन दिनों उत्पाद विभाग के सिपाही बहाली को लेकर युवा वर्ग में काफी उत्साहित है। रोजना बड़े पैमाने पर गिरिडीह के न्यू पुलिस लाइन में 10 किलोमीटर का दौड़ भी लगा रहे हैं। लेकिन दौड़ने के क्रम युवा बीच रास्ते में गिर रहे है। गुरुवार को न्यू पुलिस लाइन में बहाली प्रक्रिया में दौड़ने के क्रम में एक साथ 28 युवा गिर कर बेहोश हो गए। बेहोश हुए युवाओं को आनन फानन में एंबुलेंस से सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर के देखरेख में सभी अभ्यर्थियों का इलाज किया जा रहा है। बेहोश हुए अभ्यर्थियों में कोडरमा के विजय यादव, पलामू के सुहैल अख्तर, पचंबा के सचिन वर्मा, औरंगाबाद के अंकित कुमार, धनबाद के सिंदरी के प्रकाश विश्वकर्मा, धनबाद के विशाल महतो, अरवल के रंजन कुमार, मुफ्फसिल थाना इलाके के कोईमारा के दिनेश तुरी, पलामू के प्रभु कुमार, लोहरदगा के प्रमोद उरांव, धनबाद के चिंतामणी मंडल, देवघर के घाघी निवासी गुड्डू कुमार, कोडरमा के पूर्णा नगर निवासी आनंद कुमार, धनबाद के अभिषेक उपाध्याय समेत अन्य अभ्यर्थी शामिल है।

### शिविर में ही लाभुकों के बीच ऑन द स्पॉट परिसंपत्तियों और सरकारी लाभों का होगा वितरण

# आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार का शिविर आज से

**PHOTON NEWS HAZARIBAG:** मुख्य सचिव, झारखंड के निर्देश पर जिले में आपकी योजना-आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 30 अगस्त से शिविर लगाए जाएंगे। विभिन्न पंचायतों और नगर निगम क्षेत्र में शिविर लगाकर लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। सभी पंचायतों में शिविर लगाने को लेकर जिलास्तर से तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। जिले के विभिन्न पंचायतों में शिविरों के आयोजन की तिथि की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। शिविर का आयोजन 30 अगस्त से 15 सितंबर तक लगाने का निर्णय लिया गया है। वहीं सभी प्रखंडों के लिए वरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति भी की गई है। शिविरों में आम जनों को राज्य सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी और आवेदन लिए जाएंगे। आवेदनों का त्वरित निष्पादन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत इस वर्ष शिविर में आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किए जाएंगे।

### शिविर में इन योजनाओं पर रहेगा फोकस

- झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना
- अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
- अबुआ आवास योजना
- मुख्यमंत्री पशुधन योजना
- बिरसा हरित ग्राम योजना
- किसान क्रेडिट कार्ड
- सर्वजन पेंशन योजना
- सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना
- हरा राशन कार्ड
- बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना
- मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना
- गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड
- जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र

### सभी योजनाओं के अलग-अलग स्टॉल

प्रत्येक शिविर में कल्याण मंच स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से शिविर में ऑन द स्पॉट परिसंपत्तियों और सरकारी लाभों का वितरण लाभुकों के बीच किया जाएगा। सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्ति तथा स्वीकृति के लिए शिविर में योजनावार अलग-अलग स्टॉल लगाया जाएगा।

## लोहरदगा उपायुक्त ने की बैठक, अधिक से अधिक आवेदनों के निस्तारण पर जोर

**LOHARDAGA :** उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में गुरुवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की कार्ययोजना व तैयारियों के लिए एक बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई।

बैठक में सभी प्रखण्ड व अंचल अधिकारियों को शिविर को सफल बनाने, अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त कर उनका निष्पादन किये जाने और शिविर की अच्छी तरह मॉनिटरिंग किये जाने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त और अपर समाहर्ता को संपूर्ण कार्यक्रम की मॉनिटरिंग का निर्देश दिया गया। पंचायतों के चिन्हित स्थलों में लगने वाले शिविर में प्रत्येक विभाग/योजनाओं का स्टॉल लगाये जाने, आम जनता को स्टॉल की जानकारी के लिए निर्देशिका लगाये जाने, शिविर में स्टॉल को बेहतर तरीके से सजाये जाने, शिविर स्थल के बारे लोगों को जानकारी दिये जाने आदि का निर्देश दिया गया। प्रखण्डों में कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए वरीय दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लोहरदगा आगमन के संभावित कार्यक्रम हेतु विभागवार योजनाओं के शिलान्यास, उद्घाटन और परिसंपत्तियों के वितरण की सूची तैयार किये जाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए।

# साढे चार लाख की आबादी पानी से वंचित

- आठ करोड़ बिजली बिल बकाया होने पर डीवीसी ने काट दिया था मैथन इंटेकवेल का कनेक्शन 19 जलमीनारों से शहर में होती है जलापूर्ति

### इन जलमीनारों से होती है जलापूर्ति

स्टीलगेट, हीरापुर, पुराना बाजार, भूदा, बरमसिया, मेमको मोड़, पॉलीटेक्निक, गांधी नगर, एसएनएमएमसीएच, धोवाटांड़, धनसार, भूली, मटकुरिया, वासेपुर, चिरागोड़ा, हिल कालोनी, मनईटांड़, पुलिस लाइन, गोल्फ ग्राउंड।

**DHANBAD :** शहर की साढ़े चार लाख की आबादी को गुरुवार को पानी नहीं मिला। शहरी क्षेत्र के 19 जलमीनारों से जलापूर्ति न होने से लोग हैरान-परेशान रहे। वैकल्पिक साधनों का प्रयोग कर पानी की व्यवस्था की। दो चरण में पेयजल विभाग जलमीनारों में जलापूर्ति करता है। प्रथम चरण में एक भी जलमीनार में पानी नहीं चढ़ाया जा सका। दूसरे चरण में एकमात्र स्टीलगेट जलमीनार में आज शाम तक पानी मिलने की संभावना है। पेयजल विभाग के अनुसार अब शुक्रवार को ही 19 जलमीनार से जलापूर्ति हो पाएगी। दरअसल बिजली बिल का भुगतान समय पर नहीं होने पर बुधवार की दोपहर 12.10 बजे डीवीसी ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मैथन के गोगना में बने इंटेकवेल का बिजली कनेक्शन काट दिया। इस इंटेकवेल से रॉ वाटर धनबाद के भेलाटांड़ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पहुंचता है। यहां से शोधित होने के बाद जलमीनारों में आपूर्ति की जाती है। पानी शोधन करने में ही लगभग चार से पांच घंटे लग जाते हैं। बुधवार को संध्या साढ़े छह बजे बिजली सेवा बहाल हुई। इसके बाद मैथन से धनबाद देर रात पानी पहुंचा। इसके कारण न तो पानी शोधित हो सका और न ही जलापूर्ति की जा सकी। शुक्रवार को सभी 19 जलमीनारों से जलापूर्ति होगी।

**प्रत्येक माह एक करोड़ का बिल :** डीवीसी का बिजली बिल अप्रैल से बकाया है। प्रत्येक माह लगभग एक करोड़ 60 लाख रुपये का बिल आता है। पांच माह का लगभग आठ करोड़ रुपये बिल बकाया हो गया है। बिल बकाया होने के कारण डीवीसी की ओर से तीन बार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मैकेनिकल विभाग को नोटिस दिया गया। पेयजल विभाग ने इसके आलोक में नगर विकास विभाग से आवंटन मांगा। सचिव बदलने और बिजली बिल अधिक होने की जांच में समय देरी हुई। 27 अगस्त को भी डीवीसी ने मैकेनिकल विभाग के कार्यपालक अभियंता मयंक भगत से बिल भुगतान नहीं होने पर बिजली कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गयी थी। विभाग की ओर से जानकारी दी गई कि जल्द भुगतान हो जाएगा। इसके बाद डीवीसी ने बिजली कनेक्शन काट दिया। भगत ने बताया 30 अगस्त तक डीवीसी को बकाया भुगतान हो जाएगा।

# समन्वित हमले

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा पोषित तालिबान के अगस्त 2021 में काबुल पर दोबारा कब्जा करने के बाद से पाकिस्तान में, खासकर अफगानिस्तान से लगे उसके बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा सूबों में आतंकवादी हमलों में उछाल देखा गया है। अकेले 2023 में 650 से ज्यादा हमले दर्ज किए गए, जिनमें से 23 फीसद बलूचिस्तान में हुए, जो क्षेत्रफल के आधार पर पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा और अलगाववादी विद्रोह की नर्सरी है। लेकिन, इसी नई सामान्य स्थिति में भी सोमवार बलूचिस्तान और पाकिस्तान के लिए सबसे खूनी दिनों में से एक था। वर्ष 2006 में पाकिस्तानी सेना द्वारा मारे गए बलूच राष्ट्रवादी नवाब अकबर बुगती की मौत की 18वीं बरसी पर अलगाववादियों ने सूबे में समन्वित हमले किए। बलूच लिबरेशन आर्मी ने कई मौतों के लिए जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक,अलगाववादियों ने बुनियादी ढांचे को क्षतिग्रस्त किया और पंजाब के कई प्रवासी मजदूरों को मौत के घाट उतार दिया। बलूचिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में हमले होना इस विद्रोह की बढ़ती पहुंच और क्षमता को दिखाता है। बुगती की मौत की बरसी पर अतीत में भी हिंसक घटनाएं हुई हैं, लेकिन 26 अगस्त को पाकिस्तान की सैन्य और खुफिया सेवाएं हक्का-बक्का रह गईं। ऐतिहासिक तौर पर पाकिस्तान ने बलूच समस्या के प्रति बेरहम सैन्य दृष्टिकोण अपनाया है। प्राकृतिक संसाधनों की अपनी दौलत के बावजूद बलूचिस्तान देश का सबसे गरीब क्षेत्र है। पाकिस्तान ने इस सूबे की ऐतिहासिक रूप से उपेक्षा की है। दूसरी तरफ पंजाब राष्ट्रीय राजनीति में रसूखदार और आर्थिक रूप से समृद्ध बना। इसने बलूच समुदाय के कई तबकों के भीतर पंजाब विरोधी रुझानों को जन्म दिया। जीने के लिए बुरे हालात के साथ-साथ, इसका भी इस्तेमाल अपने मकसद के लिए समर्थन जुटाने में अलगाववादियों ने किया। स्थानीय अर्थव्यवस्था को बिना कोई फायदा पहुंचाए संसाधनों के दोहन के लिए वे संघीय सरकार पर अक्सर हमले करते हैं। सूबे से गुजरने वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को बलूच अलगाववादियों ने इस शोषण की एक मिसाल बताया है। पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान बलूचिस्तान में नागरिक अधिकार आंदोलनों के साथ संवाद बना पाने में भी विफल रहा है। ऐसा ही एक आंदोलन बलूच यकजेहती कमेटी है, जिसने सूबे में बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का हनन किया ओर संघीय प्राधिकारियों का ध्यान खींचने के लिए इस साल इस्लामाबाद और बलूच शहरों में कई धरने आयोजित किए। ऐसे एक्टिविस्टों को अक्सर पाकिस्तान के दुश्मन के रूप में पेश किया जाता है, जो सेना के पास बस यही विकल्प छोड़ता है कि वह अलगाववादियों के खिलाफ बल प्रयोग करे। लेकिन, राज्य की हिंसा ने अलगाववादियों को सिर्फ मजबूत ही किया है, जो ताजा हमलों से जाहिर है। अगर पाकिस्तान अपने सबसे बड़े सूबे में स्थिरता और सुरक्षा को लेकर गंभीर है, तो उसे स्थानीय लोगों की विकास संबंधी चिंताओं के समाधान के लिए कदम उठाने चाहिए। मानवाधिकार उल्लंघन को रोकना चाहिए और बलूचियों के साथ दोबारा रिश्ते कायम करने के लिए शांतिपूर्ण नागरिक अधिकार आंदोलनों के साथ बातचीत करनी चाहिए।

# जरूरी प्रतिबंध

अभिव्यक्ति की आजादी संपूर्ण नहीं है और यह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के मद्देनजर कुछ प्रतिबंधों के अधीन है, जिन्हें मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में संहिताबद्ध किया गया है। टेलीग्राम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पावेल ड्यूरोव एक ऐसे प्रौद्योगिकी निमार्ता हैं, जिन्होंने अपने मंच पर अभिव्यक्ति की पूर्ण आजादी पर जोर दिया है और असंतुष्टों को अपने मैसेजिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल करने की इजाजत देकर राष्ट्र-राज्यों की नाराजगी का जोखिम मोल लेते हुए अपनी एक व्यवस्था विरोधी छवि बनाई है। उनके ऐप पर आपराधिक गतिविधि से संबंधित जांच के सिलसिले में फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा उनकी हिरासत और गिरफ्तारी ने यह सवाल उठाया है कि क्या यह कार्रवाई इंटरनेट पर अभिव्यक्ति की आजादी पर भयावह प्रभाव डालने के इरादे से की गई है। लेकिन, इसका जवाब कहीं ज्यादा जटिल है। अपने ऐप पर कंटेंट के प्रति अहस्तक्षेप के उनके नजरिए का हश्र यह हुआ है कि इस मंच पर उग्रवाद, मादक पदार्थों के डीलरों, घोटालेबाजों और फ्रांस सरकार के मुताबिक, बाल अश्लीलता (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) को भी जगह मिलती है। ड्यूरोव ने कहा है, गोपनीयता...बुरी चीजें होने के हमारे डर से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है...और वास्तव में आजाद रहने के लिए, आपको आजादी के वास्ते सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार रहना चाहिए। लेकिन, क्या लोगों की सुरक्षा और आजादी को खतरे में डालने वाले नतीजों को रोकने की जिम्मेदारी को खत्म करने के लिए ऐसा किया जा सकता है। मैसेजिंग ऐप्स को लेकर और ड्यूरोव जैसे अभिव्यक्ति की संपूर्ण आजदी के पक्षधरों से पूछने लायक एक अहम सवाल है। टेलीग्राम के कुछ सोशल नेटवर्किंग फीचर्स को अगर ध्यान में रखें, तो यह सिर्फ एक मैसेजिंग ऐप होने से कहीं बढ़कर है। इसके एन्क्रिप्शन तंत्र जहां असंतुष्टों और राज्य विरोधी पक्षधरों के लिए बिना लगाम के इस ऐप का इस्तेमाल करना आसान बनाते हैं, वहीं यह ऐप पूरी तरह से एंड टू एंड एन्क्रिप्शन - एक ऐसी व्यवस्था, जिसका प्रावधान सिग्नल जैसे ऐप करते हैं, का इस्तेमाल नहीं करता है। इसका मतलब यह है कि आपराधिक गतिविधि, दुष्प्रचार और बाल अश्लीलता (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) से संबंधित कुछ संदेश टेलीग्राम द्वारा पढ़े जा सकते हैं और जरूरत पड़ने पर वह कानून का प्रवर्तन करने वाली एजेंसियों के अनुरोध पर कार्रवाई कर सकता है।

# बनी रहे पीड़ामुक्त करती नर्सों के चेहरे की मुस्कान

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

सारी बहस में हेल्थ सेक्टर की जान नर्सों के योगदान और उनके हितों की चर्चा कहीं पीछे छूट जाती है। यह बात ध्यान रखने की है कि अपने पेशे के प्रति निष्ठावान नर्सों के बिना रोगियों को सही ढंग से इलाज ही संभव नहीं है। इसलिए नर्सों की ट्रेनिंग और इनकी पगार और दूसरी सुविधाओं, खासकर इनके साथ होने वाले विनम्र व्यवहार पर खास देते रहना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का मानना है कि एक हजार की आबादी पर चार नर्सें लाजिमी तौर पर होनी चाहिए। भारत अभी तक इस स्थिति तक नहीं पहुंचा है। भारत में एक हजार लोगों पर औसत दो ही प्रशिक्षित नर्स उपलब्ध हैं। भारत को अपने हेल्थ सेक्टर को बेहतर बनाने के लिए नर्सिंग क्षेत्र को और सशक्त बनाना होगा। हमारे यहां हर साल करीब ढाई लाख नई नर्सें प्रशिक्षित होकर आ जाती हैं। यह बहुत साफ है कि नर्सें किसी भी देश के हेल्थ सेक्टर की जान होती हैं, जो रोगी की देखभाल, उपचार का संचालन और रोगी के मनोबल को बढ़ाकर उन्हें स्वस्थ करने में अहम रोल निभाती हैं।

भारत में रोगियों का अस्पतालों में तस्ल्लीबख्श इलाज किस तरह से हो, इस मसले पर नए-नए सुझाव सामने आते रहते हैं। सब अपने-अपने अनुभव और जानकारी के हिसाब से बताते हैं कि रोगियों को हम किस तरह से उच्च कोटि का इलाज दे सकते हैं। सारी बहस में हेल्थ सेक्टर की जान नर्सों के योगदान और उनके हितों की चर्चा कहीं पीछे छूट जाती है। यह बात ध्यान रखने की है कि अपने पेशे के प्रति निष्ठावान नर्सों के बिना रोगियों को सही ढंग से इलाज ही संभव नहीं है। इसलिए नर्सों की ट्रेनिंग और इनकी पगार और दूसरी सुविधाओं, खासकर इनके साथ होने वाले विनम्र व्यवहार पर खास देते रहना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का मानना है कि एक हजार की आबादी पर चार नर्सें लाजिमी तौर पर होनी चाहिए। भारत अभी तक इस स्थिति तक नहीं पहुंचा है। भारत में एक हजार लोगों पर औसत दो ही प्रशिक्षित नर्स उपलब्ध हैं। भारत को अपने हेल्थ सेक्टर को बेहतर बनाने के लिए नर्सिंग क्षेत्र को और सशक्त बनाना होगा। हमारे यहां हर साल करीब ढाई लाख नई नर्सें प्रशिक्षित होकर आ जाती हैं। यह बहुत साफ है कि नर्सें किसी भी देश के हेल्थ सेक्टर की जान होती हैं, जो रोगी की देखभाल, उपचार का संचालन और रोगी के मनोबल को बढ़ाकर उन्हें स्वस्थ करने में अहम रोल निभाती हैं। भारत में नर्सों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नर्स अपने आप में डॉक्टरों से कोई बहुत पीछे नहीं होती, रोगियों का इलाज करने में। उदाहरण के रूप में कैंसर रोगियों का इलाज करने के लिए विशेष ज्ञान और कौशल की आवश्यकता होती है। ऑन्कोलॉजी नर्सों को उपचार का

संचालन करने, दुष्प्रभावों का प्रबंधन करने और रोगियों और उनके परिवारों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करने में कुशल होना चाहिए। इसी प्रकार किडनी या लिवर ट्रांसप्लांट के मरीजों को संक्रमण से बचाना एक बड़ी समस्या है, जिससे निपटने के लिए प्रशिक्षित नर्सें ही प्राणरक्षक का कार्य करती हैं। अंग्रेज नर्स फ्लोरेंस नाइटिंगल विश्व में आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक मानी जाती हैं। बेशक नर्सें किसी भी देश की चिकित्सा प्रणाली का जरूरी अंग हैं। रोगियों की जांच में फिजिशियनों एवं ऑपरेशन के दौरान भी सर्जनों की सहायता करती हैं, फीवर और बल्ड शुगर, ब्लड प्रेशर, पल्स रेट आदि नियमित रूप से रिकॉर्ड करती हैं, रोगियों को दवा खिलाने/पिलाने, इंजेक्शन देने का कार्य करती हैं, घावों की पट्टियां बदलती हैं और रोगियों के उपचार का रिकॉर्ड, तापमान, पल्स रेट, पोषाहार, सुधार आदि का रिकॉर्ड भी रखती हैं। अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद नर्सों को अक्सर उनके योगदान के लिए बहुत कम पहचान मिलती है और उनके पेशेवर विकास के अवसर भी कम ही होते हैं। यह सबको पता है कि भारत में अधिकतर नर्सें केरल से आती हैं, यूरोप और अमेरिका में फिलीपींस से। दोनों ही स्थान समंदर के किनारे बसे हैं। यह अपने घरों को और बाल-बच्चों और परिवार को देखने के अलावा नाइट ड्यूटी भी करती हैं। फिलीपींस और केरल दोनों से हर साल हजारों नर्सें निकलती हैं। नर्सें भारत के विभिन्न भागों के अलावा अरब खाड़ी के अन्य देशों में जातीं हैं। फिलीपींस वाली नर्सें ज्यादा पसंद करती हैं अमेरिका और यूरोप। इन दोनों जगहों की नर्सों ने अपनी मेहनत और लगन से सारी दुनिया में अपना नाम कमाया है। दिल्ली का सेंट स्टीफंस अस्पताल गुजरे सवा सौ सालों से रोगियों का इलाज कर रहा है। यहां की नर्सों को इस अस्पताल को स्थापित करने वाली संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी की तरफ से सीख मिलती रही है कि जनसेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। इसके चलते सेंट स्टीफंस अस्पताल या इसे छोड़कर किसी अन्य जगह पर जाकर काम करने वाली नर्सें हमेशा रोगियों के साथ खड़ी रहती हैं। अगर आप खेलों की दुनिया को करीब से नहीं भी जानते हैं, तो भी आपने भारत के मशहूर धावक अमोज जैकब का नाम सुना होगा। हो सकता है कि कि आप कहें कि नर्सों की चर्चा करते हुए हम भटक तो नहीं रहे। यह बात नहीं है। जैकब उस भारतीय पुरुष 4400 रिले टीम के मेंबर थे, जिसने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नए राष्ट्रीय और एशियाई रिकॉर्ड के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में भी भाग लिया था। अमोज जैकब की मां राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल में हेड नर्स हैं। अमोज जैकब कहते हैं कि मेरी मां ने दिन-रात रोगियों की सेवा करते हुए मुझे भी हमेशा प्रोत्साहित किया कि मैं बेहतरीन धावक बन जाऊं। अब तो भारत के सभी प्रदेशों से नर्सें आ रही हैं। खासकर पहाड़ी प्रदेशों-उत्तराखंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, सिक्किम आदि से। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ.विनय अग्रवाल कहते हैं कि केरल की नर्सों की अब भी सब जगहों में बहुत मांग है। वह जहां जाती हैं, वहां पर केरल का नाम रोशन भी करती हैं। उन्हें बेहतर सेवा करने के बदले में अच्छी से अच्छी सेलरी भी मिलनी चाहिए। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब साढ़े छह लाख भारतीय नर्सें देश से बाहर जाकर काम कर रही हैं। जाहिर है कि इतनी बड़ी संख्या में नर्सों के देश से बाहर काम करने से देश में और उनके परिवारों में पर्याप्त विदेशी मुद्रा आती ही होगी। भारत की सबसे बड़ी लग्जरी कारें और बसें उपलब्ध करवाने वाली मान ट्रांसपोर्ट कंपनी के चेयरमेन अमृत मान तो नर्सों की बात होते ही बहुत भावुक हो जाते हैं। वे बताते हैं कि अगर उनकी राजधानी के जयप्रकाश नारायण अस्पताल (पहले इरर्विन अस्पताल) में हेड नर्स के रूप में काम करने वाली मां ने उनका साथ न दिया होता तो वह अपने को स्थापित नहीं कर पाते। अमृत मान की मां ने अपने बेटे को अपने रिटायरमेंट के वक्त मिले पैसे से टैक्सी दिलवाई। उसके बाद अमृत मान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी कंपनी ही जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत सरकार को लग्जरी कारें और बसें उपलब्ध करवा रही थी। भारत में नर्सिंग एक ऐसा पेशा है, जो महिलाओं द्वारा बड़े पैमाने पर चुना जाता है। इस क्षेत्र में पुरुष नर्सों की भूमिका अभी भी ऐसे क्षेत्रों तक सीमित है, जिसमें रोगियों को उनकी न्यूनतम आवश्यकता होती है। जैसे-आईसीयू। अभी भी विशेष रूप से प्रसूति एवं महिला रोग विज्ञान विभाग पुरुष नर्सों को स्वीकार नहीं करते। जानकार मानते हैं कि भारत में एक लाख सहायक नर्स तथा चार लाख सामान्य नर्स की कमी है। आप भी मानेंगे कि इस तरह के बहुत भाग्यशाली ही लोग होते हैं, जिन्हें कभी अस्पताल में जाना नहीं पड़ता। उन कठिन दिनों में हमें नर्स की सेवा और उनकी मुस्कान से कितनी राहत मिलती है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। इसलिए यह परम आवश्यक है कि नर्सों के चेहरों पर मुस्कान बनाए रखने के लिए सरकार और समाज इनके हितों को देखे।

**लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।**

# नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का देश विरोधी घोषणापत्र

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद पहली बार इस केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव करीब एक दशक के बाद होने जा रहे हैं। साल 2019 में केंद्र सरकार ने विशेष दर्जा खत्म कर जम्मू-कश्मीर को दो अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। लद्दाख को भी अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव तीन चरणों में होंगे। जम्मू-कश्मीर में बीते दो दशकों में इस बार का चुनाव सबसे कम समय में कराया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के आखिरी चुनाव साल 2014 में हुए थे। साल 2018 में भाजपा और पीडीपी के गठबंधन वाली सरकार गिर गई थी। उस वक्त आपसी मतभेद के चलते भाजपा ने पीडीपी से अपना समर्थन वापस ले लिया था। सरकार गिरने के बाद जम्मू-कश्मीर करीब छह साल तक केंद्र सरकार के शासन में रहा। जम्मू-कश्मीर चुनाव के मद्देनजर नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अपने घोषणा पत्र जारी किए हैं, जो बुनियादी तौर पर भारत विरोधी लगते हैं। मोदी सरकार ने ऐतिहासिक पहल की और 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने का बिल संसद से पारित करा दिया। अब 2024 में विधानसभा चुनाव की घोषणा की गई है, तो पुराने मुद्दों को नए संदर्भों में उठाया जा रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अनुच्छेद 370, 35-ए की बहाली का आश्वासन दिया है। जम्मू-कश्मीर के 'अलग झंडे' की बात कही गई है। ऐसा है, तो आने वाली विधानसभा में 'अलग संविधान' का प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। इसके लिए दलीलें दी जाती रही हैं कि विलय के समझौता पत्र में उल्लेख था कि कश्मीर का अपना 'अलग झंडा' और 'अलग संविधान' होगा। ये दलीलें कुतर्क हैं, क्योंकि विलय पत्र में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। सियासतदानों को जरा पढ़ लेना चाहिए। बहरहाल पत्थरबाजों की दोबारा सरकारी नौकरी में बहाली होगी और जेल से सियासी कैदियों की रिहाई की जाएगी। ऐसे कैदियों को माफ भी किया जा सकता है। पाकिस्तान से सटी 'नियंत्रण रेखा' पर कारोबार की नई शुरूआत के साथ-साथ पाकिस्तान के साथ बातचीत और जनसंपर्क भी शुरू किया जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सोच के स्तर पर पाकिस्तान परस्त रही हैं, लेकिन सवाल है कि क्या एक विधानसभा ऐसे मुद्दों को पारित कर सकती है। विदेश और रक्षा नीतियां केंद्र सरकार तय करेगी अथवा संघशासित क्षेत्र की विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। भारतीय संसद ने अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त किया था और सर्वोच्च अदालत ने भी उसे 'उचित, संवैधानिक निर्णय' माना था। फिर विधानसभा चुनाव में पार्टियां इनकी बहाली और 'विशेष दर्जे' की वापसी का वादा कैसे कर सकती हैं। यह सवाल नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा गया था। उनका जवाब था कि आने वाली सर्वोच्च अदालत में कश्मीर की बुनियादी सोच वाले न्यायाधीश भी आ सकते हैं। केंद्र में मौजूदा सरकार की विदाई हो सकती है तथा विपक्षी गठबंधन ह्यइंडीह्ल की सरकार बन सकती है। हमने जम्मू-कश्मीर के अवाम को आश्वस्त किया है कि तब तक हम इंतजार करेंगे, लेकिन लड़ाई लगातार लड़ते रहेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणा पत्र में कहा है कि 'शंकराचार्य के पर्वत' का इस्लामी नाम 'तख्त-ए-सुलिमान' रखा जाएगा और हरी पर्वत को कोह-ए-मरान लिखा था। इस सवाल को गृहमंत्री अमित शाह ने भी उठाया था और कांग्रेस से सवाल पूछा था कि क्या वह शंकराचार्य पर्वत की पहचान खत्म करने की साजिश को समर्थन करती है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस के कश्मीर को एक बार फिर 'इस्लामिक' बनाने के मंसूबे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणा पत्र में शंकराचार्य पर्वत को तख्त-ए-सुलेमान बताने पर कश्मीरी हिंदुओं में आक्रोश फूट पड़ा है और इसे संस्कृति और पहचान को खत्म करने की साजिश करार दिया है। शंकराचार्य पर्वत व हरि पर्वत कश्मीरी हिंदुओं की आस्था के प्रतीक हैं। कश्मीर का नाम कश्यप ऋषि से पड़ा। यह भूमि ऋषियों की भूमि है। इस भूमि से कश्मीरी हिंदुओं की आस्था, संस्कृति जुड़ी है। इनके नाम कैसे बदले जा सकते हैं। नेकां गंदी राजनीति खेल रही है। आज नेकां ने अपनी मंशा लोगों के सामने रख दी है। कश्मीरी पंडितों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस विषय पर फारूक अब्दुल्ला को सीधा पत्र लिखा है। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला से पीएसए हटाने के वादे और अन्य बिंदुओं को भी हटाने की मांग उठाई है। अन्य कश्मीरी हिंदू संगठन भी नेशनल कॉन्फ्रेंस की इस मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। कश्मीर पंडितों ने चुनाव आयोग को भी पत्र लिखा है और मांग उठाई है कि कश्मीरी हिंदुओं की पहचान को खत्म करने के प्रयास को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। वास्तव में कश्मीरी हिंदू घाटी की हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और संस्कृति के संवाहक हैं। कश्मीरी पंडित कॉन्फ्रेंस के अनुसार, नेशनल कॉन्फ्रेंस हमारी सभ्यता के तमाम निशान मिटाना चाहती है। यह प्रयास नया नहीं है। कुछ कट्टरवादी तत्व पहले से इस प्रोपगेंडा पर काम कर रहे हैं और लैलेश्वरी को लैला अरिफा और श्रीनगर को शहर-ए-खास बताने का प्रयास हो रहा है। असल में नेशनल कॉन्फ्रेंस तो शेख अब्दुल्ला की ही विरासत है, लिहाजा उनकी सियासत भी वही होगी। पीडीपी ने यहां तक घोषणा की है कि 'जमात-ए-इस्लामी' पर से प्रतिबंध हटा दिया जाएगा यानी कश्मीर में अलगाववाद, आतंकवाद, हड़ताल और बंद की पुरानी स्थितियों की वापसी के रास्ते तैयार किए जा रहे हैं। चुनाव घोषणा पत्र में आरक्षण खत्म करने का आश्वासन दिया गया है। क्या गुर्जर, बकरवाल, दलित, पहाड़ी जातियों के आरक्षण खत्म किए जाएंगे। यह निर्णय कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति पर आघात की तरह साबित हो सकता है। ऐसे कई आश्वासन घोषणा पत्रों में दिए गए हैं। बेशक ये देश विरोधी घोषणाएं हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि केवल कश्मीरी पंडित ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में रचने बसने वाले हर हिंदू के लिए जहां शंकराचार्य पर्वत एक पवित्र स्थान है, वहीं इस्लामी कट्टरपंथियों की आंख में इसकी पवित्रता खटकती रहती है। जगहों के नाम बदलने की रवायत उन्होंने इस स्थान के लिए प्रयोग की हुई है। आप अगर इंटरनेट पर देखेंगे तो पाएंगे कि कई जगह इस जगह को लोग तख्त-ए-सुलेमान का नाम देकर आज भी बुलाते हैं और शंकराचार्य पर्वत का नाम लोगों की स्मृति से मिटाने का काम करते हैं।

# Social Media Corner

## सच के हक में...

भाजपा सरकार में न्याय की उम्मीद करना भी गुनाह है! कमजोरों और वंचितों के खिलाफ गंभीर से गंभीर घटनाओं में भी जिनकी प्राथमिकता न्याय नहीं अपराध छिपाना हो, उनसे कोई क्या ही उम्मीद करे? फर्रुखाबाद में हुई घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, पीड़ित परिवार के साथ प्रशासन का ऐसा रवैया किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आखिर यह सब कब तक सहन किया जा सकता है? एक समाज के रूप में हमारे सामने ये बहुत बड़ा सवाल है! सुरक्षा भारत की हर बेटी का अधिकार है और न्याय हर पीड़ित परिवार का हक।

**(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा झारखंड समेत में अन्य राज्यों में अराजकता फैलाने की धमकी देना अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। खुफिया एजेंसियों ने जो संभावना व्यक्त की थी, ममता बनर्जी ठीक उसी प्रकार की अलगाववादी भाषा में बात कर रही हैं। ममता बनर्जी का यह बयान पूरे देश की संप्रभुता विशेषकर झारखंड, बिहार, ओडिशा, असम और उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने मुख्यमंत्री जैसी संवैधानिक पद पर रहते हुए बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करने और देश तोड़ने की बात कर अपने नापाक इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल के नाजुक हालात देखते हुए केंद्र सरकार अविलंब हस्तक्षेप कर वहां राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करें।

**(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# राष्ट्रपति की निराशा

यह एक विरल अवसर है, जब देश की राष्ट्रपति ने बलात्कार और हत्या के मामले पर गहरी निराशा और भय का इजहार किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस महीने की शुरूआत में कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या के संबंध में अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी की है और उसके बाद देश में सियासी सरगर्मी का बढ़ना तय है। राष्ट्रपति ने ऐसा क्यों किया, इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा है कि ह्यबहुत हो गया।ह्ल उन्होंने समाज को ह्यसामूहिक स्मृतिलोपह्ल का शिकार बताकर झकझोरा है। कोई शक नहीं कि महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा गंभीर मामला है और इसे लेकर खूब राजनीति भी हो रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में समाज और शासन के स्तर पर उबाल का माहौल है। जब मामला सर्वोच्च न्यायालय की निगाह में है और सीबीआई भी जांच कर रही है,

तब राष्ट्रपति के बयान को तरह-तरह से समझने की कोशिशें हो रही हैं। राष्ट्रपति की टिप्पणी के बाद ममता बनर्जी की शिकायतों का पुलिंदा भी और बढ़ जाएगा। बहरहाल, लोकतंत्र में राजनीति को नहीं रोका जा सकता, लेकिन समाज को अपने स्तर पर राष्ट्रपति के तीखे उद्गार के निहितार्थ को समझना होगा। राजनीति से परे जाकर देखिए, तो ऐसी जघन्य घटनाएं ईमानदार और निष्पक्ष आत्मनिरीक्षण की जरूरत की ओर इशारा करती हैं। यह सही है कि हम अपने कटु अनुभवों को भी भूल जाते हैं। भूलने की बीमारी वाकई चिंता और विमर्श का विषय है। क्या ऐसी घटनाओं के प्रति समाज को सतत जागरूक रखने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं। क्या सभी सार्वजनिक स्थलों पर महिला सुरक्षा संबंधी संदेशों को स्थायी रूप से प्रदर्शित करना चाहिए। महिलाओं को जो लोग कमतर या कमजोर समझते हैं, उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। क्या समाज को कोसने के बजाय राजनीतिक दलों को पहले अपने गिरेबान में नहीं झांकना चाहिए। ऐसे लोग बहुत हैं, जो महिला शोषण की आदत डाले हुए हैं, उन्हें कैसे रेखांकित या चिह्नित किया जाए। राष्ट्रपति ने अगर सामूहिक स्मृतिलोप की निंदा की है, तो अब सरकारों का यह दायित्व है कि वे इस बीमारी का यथोचित इलाज करें। मणिपुर में क्या हुआ था। एक वंचित आबादी ने दूसरी वंचित आबादी का शोषण किया था। और तो और, शोषण और अत्याचार में महिलाएं भी शामिल थीं। महिलाओं ने पुलिस ही नहीं, सेना को भी काम करने से रोका था। केवल निंदा, दुख और रोष से कुछ नहीं होने वाला, जमीन पर उतरकर काम करना पड़ेगा। समाज और उसके कर्णधारों को आईना दिखाना पड़ेगा। यह पूरा विमर्श केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित न रहे, तो ज्यादा बेहतर है। महिला शोषण किसी एक राज्य का मामला नहीं है। केरल में तो जिस मनोरंजन उद्योग को सबसे संवेदनशील और सृजनशील माना जाता है, वहां भी चंद सफेदपोशों ने महिला शोषण से एक नरक ही रच दिया है। ध्यान रहे, फिल्म उद्योग में घिनौने शोषण को उजागर करने वाली हेमा रिपोर्ट को चार साल से ज्यादा समय तक दबाए रखा गया। अब रिपोर्ट सामने आ गई है, तो दोषियों के खिलाफ 17 मामले दर्ज हो चुके हैं। विडंबना देखिए, महिला शोषण की सनसनीखेज रिपोर्ट को स्वयं वहां की सरकार ने दबाए रखा था। यह समस्या हमें मुंह चिढ़ा रही है और कहीं भी इसे छिपाने की कोशिश वास्तव में किसी भी राज्य की यशगाथा में दाग लगाने की साजिश से कम नहीं है।

# अब और देर नहीं

बताया जाता है कि केंद्र सरकार बहुत विलंबित जनगणना में आंकड़ों के संग्रह के विस्तार पर विचार कर रही है, ताकि जाति गणना को इसमें शामिल किया जा सके। यह पूरे विषय को और उलझाने का ही मामला हो सकता है। जाति को जनगणना के तत्वों (वैरिएबल्स) में से एक के रूप में शामिल किए जाने की संभावना कई राजनीतिक पार्टियों द्वारा जाति जनगणना की जोरदार मांग का नतीजा हो सकती है। लेकिन, 2011 की सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना की अधूरी और खराब ढंग से सूत्रबद्ध प्रकृति के परिणामस्वरूप ऐसे आंकड़े मिले, जो बोझिल व त्रुटिपूर्ण थे, इसलिए इस्तेमाल लायक नहीं थे। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार को जाति के आंकड़ों को तालिकाबद्ध करने के लिए महापंजीयक के कार्यालय और अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल जल्दबाजी में बिल्कुल नहीं करना चाहिए। सबसे पहले जनगणना युद्धस्तर पर कराने के लिए एक निश्चित समयावधि होनी चाहिए। साल 2026 में पहले परिसीमन कराने की अनुमति देने के लिए, अगर जनगणना में जान-बूझ कर देरी की जा रही है, तो यह न सिर्फ सार्वजनिक नीतियों के लिए, बल्कि राज्यों के साथ संबंधों के लिए भी नुकसानदेह होगा। जून 2024 तक 233 देशों में से भारत उन 44 देशों में एक था, जिन्होंने इस दशक में जनगणना नहीं कराई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बताया गया कारण यह था कि देर कोविड-19 महामारी के चलते हुई, लेकिन 143 अन्य देशों ने मार्च 2020 (जब महामारी शुरू हुई थी) के बाद जनगणना कराई। भारत जनगणना न कराने की इस संदेहास्पद खासियत के मामले में यमन, सीरिया, अफगानिस्तान, म्यांमार, यूक्रेन, श्रीलंका और उप-सहारा अफ्रीकी देशों जैसे संघर्ष, आर्थिक संकट या उथल-पुथल से प्रभावित देशों के साथ खड़ा है। 1881 से 2011 तक दस वर्षीय जनगणना बिना चूक के हुई है और अब इसमें देरी का कोई बहाना मौजूद नहीं है। फिर भी जिलों, तहसीलों, कस्बों और नगर निकायों की प्रशासनिक चौहद्दी स्थिर करने की समयसीमा इस साल 30 जून को खत्म हो गई।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# Guard against partisanship entering the barracks

MILITARIES of the Indian subcontinent have a common fount — the colonial British Indian Army. Before the raising of the official 'Indian Army' in 1895, the collective force of the British Raj was made up of three presidency armies — Bengal Army, Madras Army and the Bombay Army. Till date, the essential construct of the subcontinental militaries retains similar nomenclature, structuring, culture of regiments (reflecting societal/regional diversities) and institutional values that, on paper, make for an aligned purpose for the profession of arms.

The three major subcontinental countries — India, Pakistan and Bangladesh — are constitutional democracies, subscribing to the principle of civilian control of the military. However, the ideal level of civil control, defined by historian Samuel P Huntington as "the proper subordination of a competent, professional military to the ends of policy as determined by civilian authority", has varied dramatically among the three countries. The ability to keep the armed forces insulated and distanced from internal politics, partisanship or societal passion (e.g., religiosity, regionalism) has varied substantially. Wherever and whenever the militaries have sought a role beyond their constitutionally defined mandate of defending the borders or for tackling internal insurgencies (whenever the police forces have failed to contain them), progressive democracy has weakened.

Since Independence in 1947, the Pakistani military has taken over the formal reins of power during 1958-71, 1977-88, and 1999-2008. Even when the civilian rule ostensibly existed in Pakistan, it was the worst-kept secret that the Army House (residence of the army chief) in the garrison township of Rawalpindi — and not in the political capital of Islamabad — called the shots. The Pakistani Warrant of Precedence may put the army chief at Article (level) 11, but the 'redlines' on critical sovereign politics, positions and preferences are always defined by the Army House. Across the Line of Control, the Indian experiment in democracy persisted with virtually no role or relevance afforded to the world's second-largest military force beyond its constitutional remit. The Indian tradition of maintaining the institution's healthy 'distance' from politics and partisanship, has been the key, unlike in Pakistan.Even the relatively younger nation of Bangladesh has had difficulties in restraining its 'barracks', with as many as 29 recorded coup attempts. The formal takeover by the military could be traced to the presidentship of Abu Sadat Mohammad Sayem (1975-77), who took over in the aftermath of repeated counter-coups. He was made the Chief Martial Law Administrator in a junta-style cabinet presided by three chiefs of the armed forces. He was succeeded by Lt Gen Ziaur Rahman (1977-81) and, after a two-year gap, by Lt Gen Hussain Muhammad Ershad (1983-90). The fact that the post-independence Bangladeshi military was composed of diverse elements from the Pakistani army, Mukti Bahini militia and other rebels from varied ideological moorings made the institution susceptible to irreconcilable affiliations that were in conflict with each other and banked on domestic politics to advance their agendas. Since the Bangladeshi military (like the Pakistanis) was unable to extricate itself from the societal morass and afflictions, it partook of extraconstitutional endeavours, and thus democracy suffered.

There were unscheduled regime changes in Pakistan (April 2022) and Bangladesh (August 2024), where the hand of the respective militaries was unmistakable. The Pakistani 'establishment' (read military) had forced out the vainglorious PM Imran Khan after 'selecting' him in 2018, as he had started fancying a bigger role for himself. Imran was soon cut to size and the political forces that were dumped by the 'establishment' earlier (PML-N and PPP) made a comeback as unnatural coalition partners. The 'establishment' made it clear that it was not bound by any partisan preference, but only by the institution's self-interest and supremacy.

# Regulate e-commerce with foolproof policy

## Govt should focus on ways to make companies more accountable to consumers

INDIA's online retail market has not expanded as rapidly as that of other countries despite the growing levels of Internet penetration. The share of e-commerce in the total retail market is a paltry 8 per cent compared to nearly 40 per cent in China, 22 per cent in the US and 16 per cent in the European Union (EU). It is in this backdrop that one must view the criticism of the widening role of e-retail by Commerce Minister Piyush Goyal at an event recently. Though he softened his stance subsequently, the initial comments indicated deep concern over the impact of online sales on brick-and-mortar shops, especially the country's widespread network of kirana stores.He was also unhappy over the findings of a report presented there about the relatively low impact of e-commerce on offline stores. In contrast, he felt the economy could be heading for up to 50 per cent share of e-commerce in the retail segment. Other studies, however, corroborate the findings that online sales are a marginal player in the economy, at least for the time being. A study carried out by the Boston Consulting Group (BCG) and the Retailers Association of India (RAI) earlier this year noted that the share of e-commerce in the total retail market has grown from 4 per cent in 2018 to 8 per cent in 2023. It forecast that this would reach 13 to 15 per cent by 2028.The potential, as is often pointed out, remains huge in this country but the e-commerce growth rate declined slightly last year. From 22 to 55 per cent rise over the period from 2019 to 2022, it fell to 10 per cent in 2023, according to the BCG-RAI study. Even so, it is clear that e-retail has not had the expected disastrous effect on traditional brick-and-mortar shops. No wonder there has been little comment on the issue either from the Swadeshi Jagran Manch or the Confederation of All India Traders in recent times, barring the latest statements of support for Goyal's stance. Both the manch — an RSS affiliate — and the traders' body were at one time vociferous lobbyists seeking protection for the country's physical retail markets.The fact is that kirana stores or the neighbourhood grocery vendors still have a pre-eminent place in the country's retail arena. The study by the Pahle India Foundation that was contested by Goyal found that the advent of e-commerce has reinvigorated the growth of traditional retail. It noted that e-retail has spurred the move towards digital sales, increasing customer satisfaction, home delivery and after-sales service. Many stores are looking to expand their footprint. The study projects that e-commerce will touch 32 per cent of total retail sales by 2030, a far cry from the 50 per cent envisaged by the Commerce Minister.Yet, he cannot be faulted for expressing concern over predatory pricing and B2C (business to consumer) sales by online platforms in violation of existing guidelines. The former issue has been raised earlier as well in regard to deep discounts offered on marketing platforms like Amazon and Flipkart. The question of predatory pricing has gone up to the Competition Commission but could not be resolved since companies must have a dominant position in the market to be considered in this light.As for B2C sales, this is prohibited for online marketplaces which are meant to be platforms for sale of products made by other companies. The unfortunate reality is that online entities had created their own subsidiaries and were selling in violation of guidelines. Though such firms have apparently now been delinked from the online platforms, there is still concern that their products are being given undue prominence on the sites.

The entire gamut of these issues needs to be clarified in the proposed new e-commerce policy, which has been in the works for several years now. The proposals are being debated by at least three ministries as well as the Niti Aayog. The Department of Industrial Promotion, the Consumer Affairs Ministry and the Ministries of Electronics and Information Technology are all involved in the process. The discussions have gone on for far too long. A final view must be taken soon, especially since the World Trade Organisation (WTO) is also holding talks on global e-commerce.

One of the critical aspects being discussed at the WTO as well at the domestic policy level is the issue of data protection and privacy. This country has been seeking that the algorithms behind e-commerce websites be made available to it. This has been raised at the WTO too where India has sought data localisation and technology transfer.

Other countries have moved much more quickly to take a view on the issues of market dominance and data protection. The EU has been the leader in this regard. It adopted the Digital Markets Act last year to curb the market dominance of Big Tech with violations punishable with fines up to 10 per cent of a company's global sales. It also laid down the General Data Protection Regulation in 2018. Companies must now ask for consent when they collect personal information and may no longer use data from several sources to profile people against their will.It is for the government to focus on ways to make e-commerce companies more accountable to consumers as this is a sector that is going to expand rapidly. Fears over the impact on the enormous physical retail network of this country — valued at roughly $850 billion — need to be finally kept aside. There is no reason that both the brick-and-mortar infrastructure and e-retail cannot grow together in this extremely large marketplace. It is reassuring to know that Goyal has also commented on the beneficial aspects of e-commerce in terms of improving technology and innovation as well as providing quick delivery and convenience to consumers. The stress on operating within the provisions of the law is unexceptionable. The onus is on the government to provide detailed rules and guidelines for this sunrise sector in the form of a comprehensive e-commerce policy.

# Bail, but still in jail

## Supreme Court reiterates humane approach

A large number of undertrials not being able to get out of prison despite being granted bail remains a matter of concern — 5,000 undertrials, according to one estimate. It's one reason why jails are overcrowded and overwhelmingly populated by people from the underprivileged sections. Last year, the Supreme Court issued a slew of directions, asking courts to consider modifying the conditions of furnishing bonds and sureties. Preparing a report on the socioeconomic circumstances of such inmates, it was indicated, would help relax these conditions. The apex court has now again asked judges not to shut their eyes to the hard realities of life. Its observation could not be more explicit — to grant bail and thereafter impose excessive conditions is to take away with the left hand what is given with the right. A more humane approach has to be institutionalised.

That bail is the rule and refusal an exception has been forcefully reiterated by the Supreme Court in recent judgments. Bail, it held, should be granted if a case is made out for personal liberty even if the offence is one under the UAPA (Unlawful Activities Prevention Act). The legislation, which punishes terror acts, has often been labelled draconian. Describing the right to speedy trial and liberty as sacrosanct, the apex court did not shy away from suggesting that trial courts and high courts were attempting to play safe while granting bail.

The justice system continues to be plagued by delays at every level. If 'tareekh pe tareekh' is a chronic flaw, so is the aspect of undertrials languishing in jails even after grant of bail. The lack of awareness and legal literacy adds to the distress.

# Leverage digital technology to improve delivery of health services

## The integration of digital technology and AI into primary healthcare can revolutionise India's public health system.

Digital technology can have an enormous impact on enhancing healthcare efficiency, access and outcomes, thereby helping to achieve universal health coverage and related sustainable development goals.India, home to one-sixth of the world's population, is central to global health. The country has a rich pool of talent in science and technology, but it suffers disproportionately from the global burden of disease.While tremendous progress has been made in the last few decades in reducing infant and child mortality and improving life expectancy, the public health sector is perennially plagued by an inefficient and inequitable healthcare system that is unable to provide better services. Nearly 80 per cent of the healthcare facilities are concentrated in major cities, and millions of people living in rural and remote areas across the country still lack access to quality healthcare. Besides, healthcare costs continue to rise, pushing many into a poverty trap.Moreover, the population is ageing, and the nation is in the middle of an epidemiological transition, with chronic noncommunicable diseases rising rapidly, along with the continued burden of communicable diseases. This double burden is putting pressure on an already overstretched healthcare infrastructure.

Against this background, technology and innovation can play a vital role in enhancing efficiency in programme implementation, improving the quality of service and reducing the cost of healthcare, as demonstrated during the Covid-19 pandemic.

We need to shift to a more digital-centric healthcare model. During the pandemic, the people faced many challenges in accessing healthcare. Besides, there was inadequate real-time data to track the evolving situation and plan interventions. With fragmented data and limited data exchange mechanisms, the need for an effective use of technology, such as data analytics, to improve facilities and solve healthcare problems has been felt.

Health informatics technology, including the national web portal and telemedicine, facilitated the delivery of the home-grown Covid vaccine at an unprecedented speed in India. The CoWIN platform helped people fix appointments online for vaccination and then download certificates after receiving the shot. Drones were deployed to deliver vaccines in hard-to-reach areas. A national telemedicine service, eSanjeevani, was launched in the middle of the pandemic in 2020. It saw three million consultations within the first year.

Since then, India has expanded information communication technologies, achieved near-nationwide mobile network coverage and strengthened digital public infrastructure, including the National Health Stack as a framework to create digital health records for all citizens of India.Experiences in the country and around the globe demonstrate that technology has the potential to help in many healthcare areas, such as patient care, surveillance, data management, communication, information and prevention.iagnosis and treatment using telemedicine and teleconsultations, the provision of patient follow-up for treatment adherence in chronic disease conditions, such as diabetes, and using mobile technology and artificial intelligence (AI) for the early detection of cancer can benefit a patient. Further, electronic health records can facilitate the digital sharing of patient information among specialists. These measures can help avoid delays in diagnosis and treatment, thereby reducing the cost.To ensure health security, web-based disease surveillance, the use of handheld techniques for the collection and transmission of data, big data for predicting epidemics, and data analytics are some applications that can help strengthen the early warning system. A rapid response thereafter can contain further spread, preventing an outbreak in a local area from progressin to a pandemic.

Technology can also aid in capacity-building through distance learning, webinars, online training courses, video conferencing and information-sharing through social media sites.The most disruptive among newer technologies is AI, defined simply as a simulation of human intelligence using computers. There are many types, including machine learning, which can harness vast open-source data and predict or detect epidemic signals much earlier than traditional surveillance based on case reporting, thereby complementing the ongoing surveillance system. In addition to the detection of cancer at an early stage, AI can play an important role in accelerating a vaccine or drug development process. By overcoming the challenges faced by a weak health system, AI can be both revolutionary and highly sustainable.Recognising that healthcare costs are growing day by day and that financial and human resources are limited, the concept of appropriate technology — technologies that are scientifically valid, socially acceptable and universally available to all at an affordable price — can help strike a balance between the available resources and the emerging needs.Initiatives are needed to conduct a gap analysis in terms of the availability of infrastructure, human resources, data management, data security and privacy as well as the skill set needed for this field. The outcome of such an analysis can help develop a national digital health policy and strategy.It is imperative to have a national policy and a firm commitment to investing in digital technology, which needs to be integrated in all health programmes and healthcare services. In this regard, it is important to build partnerships with the private sector, which offers the bulk of the healthcare provision in the country.

The integration of digital technology and AI into primary healthcare can indeed revolutionise India's public health system, paving the way for universal health coverage or healthcare for all by 2030. But the availability of appropriate bandwidth is a prerequisite for that.

The nation must prioritise research and the development of new technologies as well as the improvement of the existing ones. Researchers should be encouraged to develop appropriate technologies that promote health, ensure equitable access to these technologies and advance sustainability at the national and local levels. To build a sustainable pool of talent on a long-term basis, we should lay special emphasis on science, technology, engineering and mathematics as part of the education policy.

# Reliance AGM: 5 top expectations to watch out for, where to watch

**New Delhi.** Reliance Industries Limited (RIL) is set to hold its 47th Annual General Meeting (AGM) on Thursday with all eyes on it as details about a lot of crucial plans are expected to be shared today.The virtual meeting will begin at 2:00 PM and Mukesh Ambani, the Chairman of RIL, will address shareholders and provide updates on several important aspects of the company's operations.

advertisement

**Top 5 things to expect from RILAGM**

Reliance Jio and Reliance Retail IPOs: Investors are keen to hear about the timelines for the initial public offerings (IPOs) of Reliance Jio and Reliance Retail. During the AGM five years ago, it was announced that these IPOs would be listed on stock exchanges within this period.Analysts are now expecting a concrete announcement about when these listings will occur, with Reliance Jio potentially valued at $112 billion.

Stake sale in Oil-to-Chemicals (O2C) business: The market anticipates RIL to outline a strategy for selling stakes in its Oil-to-Chemicals (O2C) division.Details regarding potential bids or buyers for this stake sale are expected to be shared by

Mukesh Ambani during the AGM.

"Reliance is in transition phase. Over the next 2 years, we expect earnings growth will be driven by telecoms & retail, while O2C business will see consolidation with profit growth. Overall we expect EPS to grow by 20% CAGR to FY26. Key catalysts include new spin-offs & improving free cash flow as the capex cycle turns and new energy announcements," said Rahul Malhotra, analyst at Bernstein.Updates on solar manufacturing: RIL's focus on new energy, particularly its solar cell and module manufacturing project, is a significant point of interest. In the financial year 2024, RIL invested $1 billion in this sector.Shareholders will be looking for updates on progress and future investments in this area.5G Rollout and monetisation: With Reliance Jio's recent tariff hikes, there is speculation about the monetisation of its 5G services. Investors will be keen to hear about the progress of the 5G rollout, including plans for growth and acceleration in the coming year."Jio's growth is driven by its expanding 5G user base, increasing data consumption, and tariff hikes. RIL is currently trading at a P/E multiple of around 30, while its telecom sector peer, Bharti Airtel, is trading at a P/E multiple of over 70. This disparity indicates a significant value creation opportunity if a public issue occurs," said Amar Nandu, Research Analyst, SAMCO.Leadership transition: Mukesh Ambani's succession plan, which includes his children— Isha, Akash, and Anant Ambani—taking on key roles, will also be under the spotlight.The AGM is expected to provide further details on how these leadership changes will impact the company's future.

How to watch the Reliance AGMYou can follow the Reliance AGM live updates on the India Today website by clicking here.

Shareholders and interested viewers can join the AGM at 2:00 PM (IST) through JioMeet by following these steps:

## Stock Market Updates: Sensex, Nifty Trade Marginally Lower; Banking Stocks Drag

**New Delhi.** The Indian benchmark indices BSE Sensex and Nifty 50 opened in the red on Thursday, tracking weakness in the overnight US market following Nvidia's results.

At opening bell, the BSE Sensex was down 0.08 per cent at 81,717, while the Nifty 50 was at 25,023, down 0.11 per cent.Meanwhile, investors in the domestic market would also have their eyes peeled for the Mukesh Ambani-led Reliance Industries Annual General Meeting, scheduled for today afternoon.

In the Asia – Pacific markets, UBS, on Wednesday, cut its 2024 GDP growth forecast for China to 4.6 per cent from 4.9 per cent which may weigh on investors' minds.

The US markets closed lower on Wednesday, with the S&P 500 finishing down 0.60 per cent, while the Nasdaq Composite up 1.12 per cent. The Dow Jones Industrial Average slipped 0.39 per cent.

Stocks in Asia slipped as Nvidia Corp. earnings lacked the wow factor to impress investors, while Chinese results helped extend a selloff in the country's tech companies.MSCI's Asia-Pacific gauge declined 0.5 per cent, dragged by chipmakers Taiwan Semiconductor Manufacturing Co. and SK Hynix Inc. A gauge of Chinese tech stocks fell more than 2 per cent in Hong Kong. Nvidia slumped more than 8 per cent in post-market trading following a sales forecast that disappointed some on Wall Street.

Japan's Nikkei shed 0.45 per cent, Australia's ASX200 0.6 per cent, and South Korea's Kospi 0.78 per cent.

## Gold, silver price : Precious metals record hike on MCX

**New Delhi.** Both gold and silver prices recorded a hike on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Thursday, August 29, 2024.Gold futures, maturing on October 4, 2024, stood at Rs 71,970 per 10 grams on the MCX, after recording a jump of Rs 227 or 0.32 per cent. The previous close was recorded at Rs 71,743.

Meanwhile, silver futures, maturing on September 5, 2024, witnessed a marginal hike of Rs 513 or 0.61 per cent and were retailing at Rs 84,490 per kg on the MCX against the previous close of Rs 83,997.The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

## Sensex, Nifty open flat as weak global cues trigger profit booking

**NEW DELHI**. Benchmark stock market indices opened flat on Tuesday as global cues and consequent weak openings led to profit bookings.The S&P BSE Sensex added 10.01 points to 81,795.57, while the NSE Nifty50 gained 6.05 points to 25,058.40 as of 9:35 AM.Dr V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that weak global cues and the consequent weak openings have proved to be opportunities to buy in the domestic market.Leading the gainers was Bajaj Finserv with an increase of 1.93%. Bajaj Finance followed with a rise of 0.94%, while Bajaj Auto climbed 0.81%. Shriram Finance and Wipro rounded out the top gainers, both advancing 0.79%.On the downside, Hindalco experienced the largest decline, dropping 1.09%. UltraTech Cement followed with a fall of 0.88%, while Dr. Reddy's Laboratories slipped 0.82%. Grasim Industries and LTIMindtree also faced losses, declining by 0.76% and 0.72% respectively.This pattern may persist. A significant feature of the near-term market trend is that it is resilient and steadily moving up without sharp spurts thereby preventing a spike in valuations in the largecap category. The recent accumulation of IT stocks stems from the confidence that the soft landing scenario in the US economy will lead to execution of the orders on which the IT companies have been sitting for some time now," he said.He further added that SEBI's advisory to investors to be vigilant in investment in SME stocks is timely. Investors should heed the warning from the regulator that many SMEs are "projecting an unrealistic picture of their operations.

## Steel prices decline amid sluggish demand

**NEW DELHI.** Steel prices in India have fallen sharply over the past three-and-a-half years, reflecting a major downturn, driven by sluggish domestic demand and increased imports.As of August 2024, prices for cold rolled steel (CRT) stood at Rs 57,400 per tonne, down from Rs 71,000 in December 2021. Similarly, hot rolled coil (HRC) steel prices fell about 24% to Rs 50,300 per tonne, compared to Rs 66,000 in late 2021, as per BigMint, a platform for price reporting.Experts say the decline in prices can be attributed to multiple factors, mainly lack of robust demand both domestically and internationally. Experts note that a decrease in raw material costs has contributed to downward pressure on steel prices. Steel imports from countries such as South Korea, China, Indonesia, Vietnam, and Japan has exacerbated the situation, as global suppliers have sought to offload excess inventory in the Indian market.

In response to these challenges, the Indian government recently initiated anti-dumping probe against Vietnam, even as existing duties on Chinese steel have not significantly mitigated the impact of lower-priced imports from China. As per experts, anti-dumping probe is unlikely to have a substantial impact in view of high levels of inventory and the fact that domestic production and imports have outpaced demand.

"The price decline is an issue – but it's almost entirely attributable to the massive excess capacity in the Chinese market, combined with Vietnamese manufacturers being affected by steep fall in domestic steel demand of China. ," said Mukund Pant, Managing Director at Metal Power Analytical.

# Berkshire Hathaway becomes first non-tech US firm to hit $1 trillion market cap

**New Delhi.** Warren Buffett's conglomerate, Berkshire Hathaway, reached an important milestone by becoming the first US company outside the technology sector to surpass a market value of $1 trillion.The company's shares rose by 0.8%, pushing its market capitalisation above the trillion-dollar mark for the first time on Wednesday.The company's stocks have climbed 30% in 2024, outperforming the S&P 500's gain of 18% so far. This surge has added more than $200 billion to Berkshire's market capitalisation this year alone, a record for the firm.However, it's a huge contrast to the nearly $2 trillion increase in value seen by Nvidia, another market giant.

Berkshire Hathaway, based in Omaha, Nebraska, now joins a select group of companies that have reached this milestone, a group previously dominated by technology giants like Alphabet Inc., Meta Platforms Inc., and Nvidia Corp.Although Berkshire is not a tech firm, its stock performance this year is not far behind the so-called 'Magnificent Seven,' which refers to the top tech stocks, up 35% in

2024.Warren Buffett, often regarded as one of the greatest investors of all time, has spent decades transforming Berkshire Hathaway from its origins as a textile manufacturer into a sprawling business empire.He accomplished this alongside his longtime business partner, Charlie Munger, who passed away in November at the age of 99.Berkshire Hathaway's performance over the years is evident in its market value growth, which has averaged around 20% annually from 1965 through 2023, nearly double the average annual return of the S&P 500. This consistent growth has made Buffett one of the richest individuals in the world and solidified his reputation as a prolific investor.

The recent surge in Berkshire's market value comes amid growing optimism about the US economy. With the Federal Reserve expected to cut interest rates in its September meeting, consumer confidence has reached a six-month high in August. However, lower interest rates could impact returns on Berkshire's substantial cash reserves, which stood at about $276.9 billion at the end of the second quarter.A significant portion of this cash reserve was accumulated after Berkshire reduced its stake in Apple Inc., the iPhone maker, a move that surprised many. Apple has long been considered a cornerstone of Berkshire's investment portfolio, and Buffett himself had referred to Apple as the "pillar" of Berkshire's business. Despite the reduction, Apple CEO Tim Cook has stated that he still considers it a privilege to have Berkshire as a major shareholder.Berkshire Hathaway's strength is further highlighted by its recent financial performance. The company reported a record quarterly profit in the first quarter of 2024, driven by a significant increase in income from its insurance underwriting business.

## Resourceful Automobile shares list flat at issue price despite huge bidding

**Resourceful Automobile listing: The stock, which attracted bids worth Rs 4,800 crore for its Rs 12 crore IPO, was listed at its exact IPO price of Rs 117 per share.**

**New Delhi** Shares of Resourceful Automobile, an SME IPO that created a buzz on social media due to its high subscription rate, made a flat debut on the stock exchanges.Resourceful Automobile attracted bids worth Rs 4,800 crore for its Rs 12 crore IPO, and has listed at its issue price of Rs 117 per share.The grey market premium ahead of the listing suggested gains but has proved to be wrong with its shares listing flat on the D-Street.The Resourceful Automobile IPO was subscribed 418.82 times overall, with retail investors leading the charge at 496.22 times subscription, while the "Other" category saw a 315.61 times subscription by August 26, 2024.

These figures were strikingly high for a Small Medium Enterprise (SME) IPO, raising questions about what drove this level of interest.

Based in Delhi, the company focusses on the sale and servicing of Yamaha motorcycles and scooters.It operates with a small team of eight employees: three handle finance and legal responsibilities, two are in charge of sales and marketing, one manages HR and administration, and the remaining two oversee operations.

The listing follows a recent warning from the market regulator Sebi, which advised investors against depending on tips and social media sources before investing in SME stocks.

Sebi cautioned that certain SME companies might present an exaggerated view of their operations after listing, often accompanied by actions such as bonus issues, stock splits, and preferential allotments.

# Amazon to make entry into quick commerce space

**BENGALURU.** After Flipkart, ecommerce giant Amazon is reportedly planning to enter quick commerce space soon, which is dominated by Zomato-owned Blinkit, Swiggy Instamart and Zepto.Flipkart recently entered the space with 'Minutes' service. According to reports, ecommerce platform BigBasket is also planning to enter the quick commerce space as there has been demand for quick deliveries.When asked Amazon about its plans, its spokesperson said, "We don't comment on speculations".

Ratna Mehta, chief executive officer and Managing Partner, Fundalogical Ventures, told this newspaper that as customer preferences change, market places as well as brands are seriously thinking about quick commerce.

A couple of years ago, many venture capitalists were questioning the quick commerce model, but the view has been changing now."Blinkit has shaped up its business with a sharp

focus on operations, flawless customer service and eye on profitability. They are proving that quick commerce can become profitable," he said.

As players such as Amazon and Flipkart are planning to enter, it will be interesting to see this space in the next two-three years, he added.

Redseer predicts a 40-45% GMV CAGR for q-commerce in the next 3 years. "The average monthly transacting users of quick commerce still stand at 1/3rd of online food delivery and 1/4th of online mobility, thereby leaving headroom for growth, given the high consumer overlap with these sectors," it recently said.Union Minister of Commerce and Industry Piyush Goyal on August 22 came down heavily on Amazon alleging that it is practicing predatory prices. However later in the day, he said the government is not against e-commerce and only wants fair competition between online and offline businesses.

# RBI's Global Mission: UPI, RuPay Expansion Plans Revealed By Guv Shaktikanta Das

**NEW DELHI**. Reserve Bank Governor Shaktikanta Das on Wednesday said the central bank is focused on making the UPI and RuPay 'truly global' and asked financial institutions and fintech startups to adapt robust frameworks to capitalise on the new opportunities while mitigating connected risks.Speaking at the Global Fintech Fest 2024, the governor said digital financial inclusion, digital public infrastructure (DPI), consumer protection and cyber security, sustainable finance, and global integration and cooperation are the five priority areas for the Reserve Bank.Das said strengthening financial infrastructure, including cross-border payment systems, will be key focus areas as India, with its tech talent and evolved fintech ecosystem, holds the potential to serve as a global hub for digital innovation and fintech startups.

Building and strengthening strategic partnerships, reinforcing the commitment to international cooperation, and developing institutions of excellence in the areas of technology and innovation across a wide spectrum of areas, including financial services, would give the right impetus for our journey towards 2047, he added."Based on the encouraging response we have received from several jurisdictions, we are now focusing on making the UPI and RuPay truly global," Das said.Unified Payments Interface (UPI) is an instant real-time payment system to facilitate inter-bank transactions through mobile phones, while RuPay is a domestically designed global card payment network.

India's CBDC, which is in the pilot stage, is another example of possible international cooperation, Das said, adding that the RBI is now utilising features like programmability to provide credit or government assistance to landless tenant farmers and carbon credits to farmers through CBDC."While we have successfully demonstrated the interoperability of CBDC with retail fast payment systems like UPI, we continue to gain from our experimentation on off-line solutions. As we make progress, we would be happy to cooperate with other nations in their CBDC efforts," the governor said.Das also touched upon the regulatory approach for the fintech sector."Sustainable and orderly development of the fintech sector

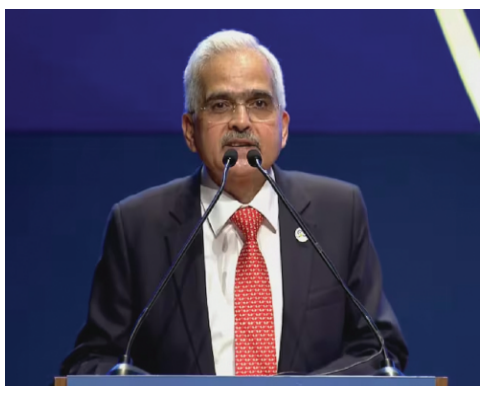

requires an appropriate balance between innovation and prudence. Our endeavour is to carefully craft regulations to achieve this delicate balance, while simultaneously ensuring trust, security, accessibility, risk management and competition," he said.Emphasising that developing a mindset that anticipates disruption and embraces change with prudence becomes very important, Das said, "Financial institutions and FinTech startups alike must, therefore, adapt swiftly, leveraging agile strategies and robust frameworks to capitalise on the new opportunities while mitigating the connected risks".Publicly available information places the number of FinTechs founded in India at approximately eleven thousand (11,000).The sector has received investments of about USD 6 billion in the last two years alone, Das said.He further said a preferred approach for achieving balance between innovation and prudent regulation involves self-regulation within the fintech sector.Self-regulatory organisations (SROs), comprising industry participants and having a good understanding of the sector's unique challenges and opportunities, would be in a position to give appropriate suggestions to the regulators on regulations that are both practical and effective.The RBI has received 3 applications for recognition as a Self-Regulatory Organisation(s) in the FinTech Sector (SRO-FT).The central bank has decided to recognise the Fintech Association for Consumer Empowerment (FACE) as an SRO-FT.

"Of the remaining two applications, one application has been returned with a provision for resubmission after meeting certain requirements.

# IIT experts examined gate of Delhi coaching centre where students died, SUV: CBI

The CBI, which is probing the death of three IAS aspirants at a Delhi coaching centre, has submitted a report to court stating that a team of IIT-Delhi professors examined the gate of Rau's IAS Study Circle and a seized SUV.

**New Delhi:**A team of experts from IIT Delhi has examined the gate of the building where the Rau's IAS Study Circle is located, where three students drowned in a basement flooding in July, and an SUV that allegedly caused the breaching of the gate, the CBI, which is probing the incident, informed the court.An SUV driver was arrested and his Force Gurkha was seized after he was accused of driving his vehicle through a flooded road in front of Rau's coaching centre, causing the water to sell and breach the gates of the building.In its report submitted before a special court in Delhi, the central agency, which is probing the drowning of three IAS aspirants on July 27 in the basement of their coaching centre amid rain, said the experts took measurements of the vehicle and the gate on Sunday.

The CBI further stated that the SUV will also be inspected by a domain expert, a motor vehicle inspector. The agency has requested an additional week to have the vehicle examined by the inspector. This request comes in response to the SUV owner's plea for the release of his vehicle.The CBI's investigation has revealed that the three UPSC aspirants, Shreya Yadav, Tanya Soni, and Nevin Dalvin, died due to asphyxia caused by drowning, the agency stated, citing the postmortem report. The probe also found that several students were studying in the basement of the coaching centre during the heavy rain, news agency PTI reported."All the floors including basement were used by the said coaching institute. The basement was used for the purpose of library where students used to sit throughout the day for study as well as for taking test conducted by coaching institute," it said.

The CBI report also mentioned, "The rainwater entered the ground floor due to sudden fall of sliding gates of main building and subsequently enteredthe basement resulting its flooding".The case of culpable homicide not amounting to murder [Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) Section 105], initially handled by the Delhi Police, was transferred to the CBI by the Delhi High Court on August 2.Meanwhile, the jailed co-owners of the coaching centre moved the Delhi High Court, seeking bail in the criminal case against them. The four co-owners have pleaded that they are merely the landlords of the basement, which was let out on rent to the coaching centre, and therefore had no role in the event. The matter is likely to be heard this week.

## No Court Relief For Ex-Wrestling Chief Brij Bhushan In Sex Harassment Case

**New Delhi:** The Delhi High Court has refused to provide any relief to former Wrestling Federation of India president Brij Bhushan Sharan Singh. The court has asked Singh's lawyer to submit a short note with all his contentions for quashing the case against him.Singh's petition seeks to contest the continuation of these proceedings against him. He faces charges of sexual harassment and outraging the modesty of women.Brij Bhushan has challenged the FIR, the chargesheet, and the trial court's order related to the framing of charges in the case. His petition seeks to contest the legal proceedings against him in connection with the complaints filed by several women wrestlers.

He contended that the investigation was done in a biased manner as only the version of the victims, who were interested in taking revenge against him, was considered and the charge sheet was filed before the trial court without taking care of the falsehood of allegation.

Brij Bhushan, a six-time MP who represented Gonda, Balrampur and Kaiserganj, was denied a ticket for this year's Lok Sabha elections after sexual harassment allegations by six women wrestlers. He also had to step down as the WFI chief.

## 3 Terrorists Killed In Separate Encounters In Jammu And Kashmir

**New Delhi:** Three terrorists are believed to have been killed in two separate encounters between security forces and terrorists in Jammu and Kashmir's Kupwara district, officials said today. The encounters started after a joint operation was launched by the Indian Army and Jammu and Kashmir police in response to the suspected movement of the terrorists, officials said.

"Based on intelligence inputs about likely infiltration bids, a joint operation was launched by the Indian Army and Jammu and Kashmir police on the intervening night of August 28-29 in the general area Machhal, Kupwara. The suspicious movement was observed in bad weather and was engaged with effective firing by own troops; two terrorists are likely to have been neutralized," the army's Srinagar-based Chinar Corps said in a post on X (formerly Twitter).Based on intelligence inputs with respect to likely infiltration bids, a Joint Operation was launched by #IndianArmy & @JmuKmrPolice on the intervening night of 28-29 Aug 24 in general area Machhal, Kupwara.

Based on intelligence inputs regarding likely infiltration bids, a Joint anti-infiltration Operation was launched by #IndianArmy & @JmuKmrPolice on the intervening night of 28-29 Aug 24 in general area Tangdhar, Kupwara. One terrorist is likely to.The encounter in Kupwara's Tangdhar sector started yesterday evening after troops intercepted an infiltration attempt.

## Smriti Irani on Amethi defeat: Polls will come and go, but my real win is...

**New Delhi:**BJP leader Smriti Irani said Amethi was an "emotive and ideological issue" for her, and she was not disheartened following her defeat in the high-profile Uttar Pradesh constituency in the Lok Sabha polls. From being hailed as a giant slayer after defeating Rahul Gandhi in the 2019 polls, Irani suffered a crushing defeat in 2024 to Gandhi family loyalist Kishori Lal Sharma."Elections will come and go. I am not bothered about my loss from Amethi. My real win is that 1 lakh families are living in their own homes now, 80,000 homes are now getting electricity and two lakh families received gas cylinders for the first time," Irani said on a podcast.The former Union Minister said previously there used to be allegations that the MP was never seen in Amethi, but she ensured that the constituency was never neglected and also bought a home there.

The remarks are being seen as an indirect dig at Rahul Gandhi, who won the seat for three consecutive terms."On March 22, 2014, I received a call from Rajnath Singh at 11 pm that I have to go to Amethi and contest from there. I did not crib about it and took the challenge head on," she said."When I went there, I saw there were 40 villages where no roads were constructed after Independence. In the last five years, I have constructed homes for one lakh families, 3.5 lakh toilets, and connected 4 lakh people to the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi scheme. Around two lakh families received gas cylinders for the first time," Irani said.Irani was routed by KL Sharma in Amethi by over 1.6 lakh votes -- three times the margin she secured while defeating Rahul Gandhi in 2019.

**SMRITI IRANI AS BJP'S DELHI CHIEF MINISTER FACE?**

When asked about speculation that she would be made the BJP's chief ministerial face for the Delhi polls, Irani sidestepped the question and said it was always a privilege to serve the people."It has always been a privilege to serve the people. I have been an MP thrice and served as the head of five-six departments. I have also been the president of the BJP Mahila Morcha and the party national secretary," Irani said in a cryptic response.

## Maharashtra school cleaner shows porn to girl, sexually assaults her; arrested

**New Delhi:**A man was arrested in Maharashtra's Nandurbar district for allegedly sexually assaulting and showing pornographic content to a girl student at a school.The accused, who used to work as a sanitation worker at the school, was arrested under relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) and POCSO Act after the parents of the girl student approached the police with a complaint.he incident came to light when the girl student shared it with her parents. A CCTV footage from inside the school also showed the accused handing over his phone to the girl student.

The school administration also terminated his services after taking cognisance of the incident.Speaking about the incident, Nandurbar's Superintendent of Police (SP) said, "On August 27, an incident occurred in a school in Nandurbar. A man working in the school showed pornographic content on his phone to a minor schoolgirl. Today, the girl student's family reached the police station and taking swift action, a case was filed at Nandurbar City Police Station and the accused has been arrested".Further investigation into the case was underway and the police is preparing to file the chargesheet against the accused at the earliest, the SP added.Earlier this month, Maharashtra's Badlapr was rocked by the sexual abuse of two kindergarten girls by a male attendant at a private school. The incident led to a massive protest, following which the Maharashtra government set up a special investigation team (SIT) to probe the case.

## 40 Chinese yaks, which had strayed onto Ladakh, returned to China

**New Delhi:**A total of 40 Chinese yaks that had strayed inside Ladakh near the Line of Actual Control (LAC) have been returned to China. A warning was also issued to the owners of these Yaks to not enter Indian territory.This incident highlights China's ongoing strategy of encroaching on land along the LAC using animals. The yaks had strayed into the Demchok area of eastern Ladakh in search of fodder.he incident was shared on social media by Chushul Councilor Konchok Tenzin on August 19, who noted that when Indian animals stray into Chinese territory, they are not returned. However, the Indian Army informed the Chinese People's Liberation Army (PLA) about the incident as per established protocol, and the yaks were returned the next day.

Disputes over grazing lands in Ladakh have been common, as these areas are crucial for the local tribal communities who have grazed their animals there for centuries.China has allegedly used local herders, disguised as soldiers and spies, to carry out activities in Indian territories. Whenever disputes over grazing lands arise, China claims that their animals have been grazing there for centuries, reinforcing their territorial claims.The LAC area has witnessed an increase in such incidents, particularly since the 2020 stand-off between India and China.

The Indian Army had to close some grazing lands near the LAC, directing villagers to alternate locations. The number of livestock grazing in these areas decreased from 56,000 in 2019 to 28,000 in 2021 due to the disputes. However, in recent years, the number has risen back to around 58,000. There are about ten major grazing areas in Ladakh, including Chushul, Tara, Nyoma, Fukche, and Demchok, where Indian herders continue to graze their animals.Despite occasional face-offs and standoffs, China continues to send its herders and livestock into Indian territories to avoid direct confrontations.

## Ex IAS Officer Puja Khedkar Claims UPSC Doesn't Have Power To Disqualify Her

**New Delhi:** Former IAS probationer Puja Khedkar, who has been accused of cheating and wrongly securing OBC (Other Backward Class) and disability quota benefits, has told the Delhi High Court that the Union Public Service Commission (UPSC) - which conducts the civil services exam - has no power to take disqualify her.The UPSC last month cancelled Puja Khedkar's candidature and debarred her from future exams. The Commission alleged that she misrepresented information in her application for the UPSC Civil Services Examination, 2022 to get reservation benefits."Once selected and appointed as a Probationary Officer, UPSC does not have the power to disqualify the candidature," Puja Khedkar, who is seeking anticipatory bail in the criminal case against her, said in a response filed before the court on the UPSC's charges against her.She said that now only the Department of Personnel and Training (DoPT) of the Central Government can take action against her.

**Puja Khedkar On UPSC's "Chnged Her Name" Charge**

The UPSC has claimed that Puja Khedkar attempted the uber-competitive qualifying test more than the six times permitted for a general category candidate. She did so by changing her name, and that of her parents, which is why the Commission said it could not detect the violation.Puja Khedkar, however, refuted these allegations and said that there has been no change in her name or surname from 2012 to 2022. She also said that she had not given any wrong information about herself to the UPSC."UPSC verified my identity through biometric data. The Commission did not find my documents fake or incorrect. My educational certificate, Aadhaar card, date of birth, and other personal information were found to be absolutely correct," she told the court."All the necessary verifications were also done by DoPT. As per DoPT, a medical board constituted by AIIMS conducted my medical examination. The board found my disability to be up to 47% and more than the 40% disability required for the PwBD (Person with Benchmark Disability) category," she said in her reply.

**Puja Khedkar's "Fraud" Not Only Against Us But Public Too: UPSC**

The UPSC, earlier this month, opposed in the Delhi High Court an anticipatory bail petition by Puja Khedkar, saying she committed "fraud" against the commission and the public. In its reply filed in court on August 21, the UPSC said Puja Khedkar's custodial interrogation was necessary to unearth the magnitude of the "fraud" that could not have been done without the help of other individuals. Therefore, her pre-arrest bail plea should be dismissed, it said."The gravity of the fraud committed is unprecedented in nature having been committed against not only a constitutional body -- the complainant -- whose traditions are untrammelled and unparalleled but also against the public at large, including the citizens of this country who have utmost faith upon the credibility of the UPSC as well as persons who could not be appointed despite being duly eligible and qualified due to illegal means employed by the applicant to seek appointment," the UPSC said.The Delhi Police has also sought dismissal of the pre-arrest bail plea on the ground that any relief to her would hinder its probe into the "deep-rooted conspiracy" and that the case.

# Typhoon Shanshan makes landfall in Japan, warnings for floods and landslides

**Fukuoka.** Typhoon Shanshan slammed into Japan on Thursday (Aug 29), injuring dozens as howling winds smashed windows and blew tiles off houses while torrential rains sparked floods and landslide warnings.Japan's most powerful typhoon this year, packing gusts up to 252kmh, made landfall on the main southern island of Kyushu, home to 12.5 million people, around 8am (7am, Singapore time).Ahead of the arrival, authorities issued their highest alert level in places, advising hundreds of thousands of people to evacuate and warning of "life-threatening" flooding, landslides and storm surges.The coastal city of Miyazaki has so far recorded 26 injuries - including some from a tornado - with 124 incidents of damage to buildings, a disaster official told AFP.Most of the injuries were caused by strong winds smashing windows, with none life-threatening. Broadcaster NHK reported that nine people were hurt in nearby Kagoshima.Unverified social media footage showed a small river in the city of Beppu turned into a raging torrent of dark water and a fallen tree hanging precipitously above a rainswept road near Oita.Student Aoi Nishimoto, 18, said he had called his family in Miyazaki."Our home is fine, but there was a tornado in Miyazaki and power went out in some places. It's worrying," he told AFP in Kyushu's main city Fukuoka."This year, I am away from my parents' home for the first time. So it's a bit scary being all alone," student Rio Ohtsuru, 19, told AFP."Maybe I will look for a flashlight in case of a power outage," she said.Kyushu's utility operator said that 254,610 houses were already without power elsewhere on the island.The system was moving slowly, which often means more rain, with the weather office forecasting it to gradually rumble towards Japan's main island Honshu and the cities of Osaka and Nagoya, although this could change.The Japan Meteorological Office warned that "the risk of a disaster due to heavy rain can rapidly escalate in western Japan as Friday approaches."

**"SPECIAL WARNINGS"**

For Kagoshima, the JMA issued "special warnings of violent storms, high waves and high tides"."Please exercise maximum vigilance against violent storms, high waves and high tides in Kagoshima, as well as landslides, flooding in low-lying areas and overflowing rivers in southern Kyushu," it said.For southern Kyushu, the JMA predicted an enormous 1,100mm of precipitation in the 48 hours to Friday morning.Heavy rain brought by Shanshan has been lashing large parts of Japan since Tuesday.Three members of a family died after a landslide buried a house in Gamagori, a city in central Aichi prefecture, late Tuesday, local media reported.The deceased included a couple in their 70s as well as a son in his 30s, while two adult daughters in their 40s survived with injuries,

TOYOTA HALT

Auto giant Toyota has suspended production at all 14 of its factories in Japan. Nissan and Honda also decided to halt operations at their Kyushu plants, reports said.Japan Airlines has cancelled 275 domestic flights for Thursday, affecting 14,893 passengers, and an additional 13 for Friday that would have carried 1,307 people.ANA scrapped 212 domestic flights slated for Thursday, affecting 18,700 passengers, and 42 Friday flights, affecting 4,200 more.Shanshan comes in the wake of Typhoon Ampil, which disrupted hundreds of flights and trains this month.Despite dumping heavy rain, it caused only minor injuries and damage.Ampil came days after Tropical Storm Maria brought record rains to northern areas.Typhoons in the region have been forming closer to coastlines, intensifying more rapidly and lasting longer over land due to climate change, according to a study released last month.

## News box

### Mexico-US flight diverted after severe turbulence, 1 passenger hospitalised

**Tennessee.** One person was taken to a hospital Wednesday after a United Airlines flight was diverted to Memphis because of severe turbulence, officials said.The person was in non-critical condition when taken to a hospital after the flight headed from Cancun, Mexico, to Chicago landed at Memphis International Airport, United and the Memphis Fire Department said in separate statements.The turbulence happened while the airplane's seat belt sign was on, United said.The Memphis Fire Department said six other people declined treatment and transport to the hospital, but the extent of their injuries was not known.Chicago-based United said the 737-900ER aircraft had 172 passengers and seven crew members on board. The airplane was scheduled to resume its flight to Chicago on Wednesday afternoon.

### Russia faces 'difficult fight' to retake Ukraine-held area: CIA official

**BETHESDA, Maryland** Russian President Vladimir Putin will mount a counteroffensive to try to retake territory in the Kursk region captured by Ukrainian troops, but Russian forces will encounter "a difficult fight," Deputy CIA Director David Cohen said on Wednesday.Cohen told a national security industry conference that the significance of the Ukrainian incursion, which has overrun some 300 square miles (777 square km) of the Russian province, remained to be seen.Ukrainian forces crashed through Russia's western border into the Kursk region on Aug. 6 in a surprise offensive that is continuing.While Kyiv has said it has no intention of annexing the area it has captured, Ukrainian troops are building defensive lines and it appears that they intend to retain "some of that territory for some period of time," Cohen told the Intelligence and National Security Summit.

"We can be certain that Putin will mount a counteroffensive to try to reclaim that territory," Cohen said. "I think our expectation is that that will be a difficult fight for the Russians."Putin, he said, "is not only going to have to face the fact that there is a front line now within Russian territory that he's going to have to deal with, he has to deal with reverberations back in his own society that they have lost a piece of Russian territory."Ukraine's success in Kursk "has the potential to change the dynamic" of the conflict "a little bit going forward," he continued without elaborating.

Ukraine has claimed the capture of 100 settlements in its incursion into Russia's Kursk region, while Russian forces continue to inch forward in the eastern Donetsk region.

Cohen said that Russia has been making those gains "at extraordinary cost" in troops and equipment and "may or may not" capture the key Ukrainian logistics hub city of Pokrovsk.

But at the end of the day, none of it is a game changer in a strategic sense" for the Russians, he continued.On Tuesday, Ukrainian President Volodymyr Zelenskiy saidthe war with Russia would eventually end in dialogue, but that Kyiv had to be in a strong position and that he would present a plan to U.S. President Joe Biden and his two potential successors.

### Telegram CEO allowed child abuse images, drug trafficking on app: French court

**Paris** A French judge put Telegram boss Pavel Durov under formal investigation on Wednesday in a probe into organised crime on the messaging app, but granted the entrepreneur bail on condition he pays 5 million euros, reports twice a week to police and does not leave French territoryParis prosecutor Laure Beccuau said in a statement the judge found there were grounds to formally investigate Durov on all the charges for which he was initially arrested four days ago.

They include suspected complicity in running an online platform that allows illicit transactions, images of child sex abuse, drug trafficking and fraud, as well as the refusal to communicate information to authorities, money laundering and providing cryptographic services to criminals.Durov's lawyer did not immediately respond to a request for comment.

Being placed under formal investigation in France does not imply guilt or necessarily lead to trial, but indicates judges consider there is enough evidence to proceed with the probe. Investigations can last years before being sent to trial or shelved.The judge's decision came after Russian-born Durov was arrested at an airport near Paris on Saturday evening.Durov's detention has fuelled debate on where freedom of speech ends and enforcement of the law begins. It also underlines the uneasy relationship between governments and Telegram, which has close to 1 billion users, while serving as a warning shot to tech titans who refuse to comply with authorities over alleged illegality on their platforms.Russian state news agency RIA published a video on Telegram that appeared to show Durov, dressed in black in a baseball cap and sunglasses, leaving the prosecutor's office and entering a waiting vehicle. Reuters was unable to authenticate the images.

# Sheikh Hasina faces four new cases, total spike to 75

**Dhaka** Four more cases have been filed against Bangladesh's deposed prime minister Sheikh Hasina, her former cabinet ministers and aides, taking the total number of cases filed against her to 75, a media report said on Wednesday.Three of the cases were filed with Dhaka courts on Tuesday, while another murder case was filed in Bogura two days ago, the Daily Star newspaper reported.With these, 76-year-old Hasina is now facing 75 cases related to the protests, including 63 on murder charges, seven on allegations of crimes against humanity and genocide, three on charges of abduction, and two for other charges, the paper said.Hasina and 30 others were sued over the death of a grocery shop owner during the quota reform movement in the capital's Banasree on July 19. The victim's father filed the murder case with the court of Additional Chief Metropolitan Magistrate Md Tofazzal Hossain who asked Khilgaon Police Station to register it as a first information report (FIR), the paper said.The court asked the officer in-charge of the same police station to register an FIRagainst Hasina and 26 others in a case related to the death of a 14-year-old on the same day.The third case was filed against Hasina and 50 others on charges related to the attempted murder of a lawyer of the Dhaka Bar Association during the students' quota reform protest on July 18, the paper said.A murder case was filed in Bogura against Hasina, three local journalists and 130 others. The 35-year-old victim was shot dead on August 4, a day before Hasina's ouster.Hasina resigned and fled to India on August 5 after unprecedented anti-government student-led protests against her government over a controversial quota system in jobs.The Hasina-led government was replaced by an interim government, and 84-year-old Nobel laureate Muhammad Yunus was named its Chief Adviser.Over 230 people were killed in Bangladesh in the incidents of violence that erupted across the country following the fall of the Hasina government, taking the death toll to more than 600 since the massive protest by students against a controversial quota system in government jobs first started in mid-July.

### Hong Kong court to deliver verdict against 2 editors in sedition case

**Hong Kong** A Hong Kong court on Thursday is expected to hand down verdicts against two editors of a now-defunct online media outlet for conspiring to publish seditious articles in a case that has drawn international scrutiny.This is the first sedition trial against any journalist or editor since Hong Kong's handover from Britain to China in 1997.It is a case that critics, including the U.S. government, say reflects deteriorating media freedoms under a years-long national security crackdown in the China-ruled city.Stand News, once Hong Kong's leading online media outlet with a mix of critical reportage and commentary, was raided by police in December 2021 and had its assets frozen, leading to its closure a few days later.

Its top editors, Chung Pui-kuen, 54, Patrick Lam, 36, and the outlet's parent company Best Pencil (Hong Kong) Ltd, were all charged with conspiracy to publish seditious publications in connection with 17 news articles and commentaries between July 2020 and December 2021.All those charged pleaded not guilty. If convicted, they face a maximum two years jail term.During the 57-day trial, government prosecutor Laura Ng alleged Stand News had acted as a political platform to promote "illegal" ideologies and incited readers' hatred against the Chinese and Hong Kong governments.Ng described the articles as seditious, including interviews with jailed or exiled pro-democracy politicians and a news article about jailed human rights lawyer Chow Hang-tung.Foreign governments including the U.S., and media freedom advocacy groups said the case showed how authorities had suppressed freedoms and intensified self-censorship since the national security law was passed in 2020.

"REPORT THE TRUTH"

Chung, who chose to testify in court, was in the witness box for 36 days of the trial, defending media freedoms and saying Stand News had only "recorded the facts and reported the truth", while giving voice to a spectrum of voices including democrats.

# Donald Trump's shooter didn't conspire with anyone, motive not clear yet, says FBI

**Washington.** The gunman in the assassination attempt on former President Donald Trump searched online for events of both Trump and President Joe Biden, looked up information about explosives over the last five years and eyed the Pennsylvania campaign rally where he opened fire last month as a "target of opportunity," a senior FBI official said Wednesday.

Investigators who have conducted nearly 1,000 interviews do not yet have a motive for why 20-year-old Thomas Matthew Crooks shot at Trump during a July campaign rally but they believe that he conducted "extensive attack planning," including looking up campaign events involving both the current president and former president, particularly in western Pennsylvania.The FBI analysis of his online search history reveals a "sustained, detailed effort to plan an attack on some event, meaning he looked at any number of events or targets," Kevin Rojek, the special agent in charge of the FBI's Pittsburgh field office, told reporters Wednesday in the latest in a series of briefings on the investigation.Once a Trump rally was announced for July 13 in Butler, Pennsylvania, "He became hyper-focused on that specific event and looked at it as a target of opportunity," Rojek said. Crooks' internet searches in the days leading up to the rally included queries about the grounds where the rally was held, "Where will Trump speak from at Butler Farm Show?" "Butler Farm Show podium" and "Butler Farm Show photos."In the 30 days before the attack, the FBI says, Crooks did more than 60 internet searches related to Biden and Trump, including seeking the dates of both the Democratic and Republican national conventions. FBI Director Christopher Wray has previously revealed that one week before the shooting, Crooks did a Google search for "How far away was Oswald from Kennedy?"That's an apparent reference to Lee Harvey Oswald, the shooter who killed President John F. Kennedy on Nov. 22, 1963.The new details add to an emerging portrait of Crooks as a highly intelligent and reclusive man who investigators say in the years before the shooting had taken an eerie interest in explosives, violence and prominent public figures but whose internet searches of Democrats and.

# Kamala Harris campaign recruits Egyptian American lawyer to boost Arab votes

Kamala Harris' presidential campaign has recruited Brenda Abdelall, an Egyptian American lawyer, to enhance outreach to Arab American voters. This move comes amid a tight race with Republican candidate Donald Trump, with key battleground states like Michigan in focus.

**Washington** Kamala Harris' campaign for U.S. president has hired an Egyptian American lawyer and former Department of Homeland Security official to help lead outreach to Arab American voters who hold sway in some states that could help decide the Nov. 5 election, the campaign said on Wednesday.Brenda Abdelall would be tasked with shoring up support from a community frustrated with U.S. support for Israel's war in Gaza. Vice President Harris, a Democrat, has already hired Afghan American lawyer Nasrina Bargzie for outreach to Muslim Americans.Harris is in a tight race with Republican presidential candidate Donald Trump. Votes from Muslim and Arab Americans could help decide the outcome in battleground states like Michigan, which has seen street protests over the Israel-Gaza war.U.S. President Joe Biden won a large share of the Arab and Muslim vote in 2020, but his support for Israel despite the huge death toll in Gaza has frustrated many community members. They launched an "uncommitted" campaign against him in the Democratic nominating contests.Michigan, where Harris is due to visit next week, is home to one of the largest Muslim and Arab American populations in the United States. More than 100,000 voters cast their ballot "uncommitted" instead of Biden, who stepped aside as candidat on July 21, in the state's primary.Some activists say they hold Harris responsible for the Biden administration's Israel policy and the crisis in Gaza.Following last week's Democratic convention, pro-Palestinian activists said Harris had failed to demonstrate any break from the status quo.While pro-Palestinian voices are not expected to vote for Trump and have indicated no support for the Republican, some activists have launched a campaign called "Abandon Harris" and have urged their supporters to back third-party candidates.Abdelall, Harris' pick for Arab American outreach, most recently served as senior counselor to the Department of Homeland Security's secretary. She joined the agency in January, 2021, shortly after Trump left office, to be chief of staff for the department's civil rights office.Abdelall, who grew up in Ann Arbor, Michigan, previously ran a food blog and website, focused on Middle Eastern cuisine. She has taught Middle Eastern cooking classes at a culinary school in northern Virginia.The latest bloodshed in the decades-old Israeli-Palestinian conflict was triggered on Oct. 7 when Palestinian Islamist group Hamas attacked Israel, killing 1,200 and taking about 250 hostages, according to Israeli tallies.Israel's subsequent assault on the Hamas-governed enclave has since killed over 40,000 Palestinians, according to the local health ministry, while also displacing nearly the entire population of 2.3 million, causing a hunger crisis and leading to genocide allegations at the World Court that Israel denies.

# Israeli forces kill 10 Hamas militants, arrest 5 in massive West Bank operation

**AL-FARAA REFUGEE CAMP** Israeli forces launched a large operation in the occupied West Bank overnight and into Wednesday, killing at least 10 Hamas militants, carrying out arrests and sealing off the volatile city of Jenin.The ongoing operation was among the largest in the West Bank in months, and a reminder that the Israeli-Palestinian conflict extends far beyond the war in Gaza that began with Hamas' Oct. 7 attack. Israel says it is rooting out West Bank militants to prevent attacks, while Palestinians fear it intends to broaden the war and expel them from territories they want for a future state.Lt. Col. Nadav Shoshani, an Israeli military spokesman, said "large forces" had entered Jenin, long a militant stronghold, as well as Tulkarem and the Al-Faraa refugee camp dating back to the 1948 Mideast war, all in the northern West Bank.He said Israeli forces killed three militants in an airstrike in Tulkarem and four in an airstrike in Al-Faraa. He said another five suspected militants were arrested, and that the raids were the first stage of an even larger operation. Four Palestinians were killed by Israeli fire in Jenin, according to Palestinian officials.Hamas announced that 10 of its fighters had been killed in the West Bank on Wednesday, including three of the four men killed in Jenin. It was not immediately clear if the fourth was also a fighter. The military said all of the dead were militants.The governor of Jenin, Kamal Abu al-Rub, said on Palestinian radio that Israeli forces had surrounded the city, blocking exit and entry points and access to hospitals, and ripping up infrastructure in the camp.The Palestinian Health Ministry in the West Bank said Israeli forces had blocked the roads leading to a hospital with dirt barriers and surrounded other medical facilities in Jenin. Shoshani said the military was trying to prevent militants from taking shelter in hospitals.An Associated Press reporter saw army vehicles blocking all the entrances to Al-Faraa camp. Military jeeps and bulldozers entered the camp and soldiers were seen patrolling its alleyways by foot. Water leaked onto the damaged streets from houses where fighting had ruptured tanks and pipes. Shots rang out every few minutes.

Israeli Foreign Minister Israel Katz drew comparisons with Gaza and called for similar measures in the West Bank."We must deal with the threat just as we deal with the terrorist infrastructure in Gaza, including the temporary evacuation of Palestinian residents and whatever steps might be required. This is a war in every respect, and we must win it," he wrote on the platform X.Hamas called on Palestinians in the West Bank to rise up, calling the raids part of a larger plan to expand the war in Gaza and blaming the escalation on U.S. support for Israel. The militant group called on security forces loyal to the Western-backed Palestinian Authority, which cooperate with Israel, to "join the sacred battle of our people."Nabil Abu Rudeineh, a spokesman for Palestinian Authority President Mahmoud Abbas, condemned the raids as a "serious escalation" and called on the U.S. to intervene. Abbas announced he was cutting short a visit to Saudi Arabia and returning to the West Bank, where his government is based.At least 652 Palestinians in the West Bank have been killed by Israeli fire since the war in Gaza began over 10 months ago, according to the Palestinian ministry. Most have died during raids, which often trigger gunbattles with militants.

NEWS BOX

## Paris Paralympics India schedule Day 1: Full list of day-wise events and timings

**New Delhi.** After a two-week break, Paris is set to host the world's top athletes once again as the 2024 Paralympic Games kick off on Wednesday. The Paris 2024 Paralympics will see India participating with its largest-ever contingent, comprising 84 athletes competing across 12 sports. This formidable lineup is poised to make a strong impact and aims to surpass the record-breaking performance of the previous games in Tokyo. Amongst the notable athletes representing India are Sumit Antil, Avani Lekhara, Manish Narwal, and Krishna Nagar, all of whom will be defending their titles and vying for gold once again.

India's para-athletes have a packed schedule on Thursday, starting at noon with multiple para-badminton matches. Nitesh Kumar and Thulasimathi Murugesan will face Suhas Yathiraj and Palak Kohli in a mixed doubles SL3-SU5 group-stage match. Simultaneously, Suhas Yathiraj will compete against Indonesia's Hikmat Ramdani in the men's singles SL4 group

stage. Another mixed doubles event will see Sivarajan Solaimalai and Nithya Sre Sivan taking on USA's Miles Krajewski and Jayci Simon in the SH6 group stage.In para taekwondo, Aruna Tanwar is set to compete against Turkey's Nurcihan Ekinci in the women's K44-47kg round of 16 at 1:30 PM, with the medal matches scheduled for around 10:40 PM. The afternoon will feature several more para badminton matches, including Mandeep Kaur against Nigeria's Eniola Bolaji and Manasi Joshi facing Qonitah Syakuroh in the women's singles SL3 category. Sukant Kadam, Tarun Dhillon, and Nitesh Kumar will also participate in men's singles SL4 and SL3 matches throughout the afternoon.In the afternoon, para-cycling starts at 4:25 PM with Jyoti Gaderiya competing in the women's C1-3 3000m individual pursuit qualification, and medal races will follow at 7:55 PM. At the same time, para archers like Sheetal Devi, Sarita, and Harvinder Singh will compete in their ranking rounds.

## Kylian Mbappe's X hacked: Statements on Ronaldo-Messi and Manchester United

**New Delhi** Kylian Mbappé, Real Madrid's star forward, found himself at the centre of controversy on August 29 when his X (formerly Twitter) account was hacked. A series of provocative tweets were posted from his handle, drawing widespread attention in the football community. These posts fuelled the long-standing rivalry between Cristiano Ronaldo and Lionel Messi. The hacked account didn't stop at this rivalry, however. It also included critical remarks about prominent Premier League teams, including Manchester United, Manchester City, and Tottenham Hotspur.

These posts, like the others, were controversial and quickly became a talking point among

football enthusiasts. Fortunately, they were removed shortly after being published. Mbappé, who recently joined Real Madrid in the summer of 2024 after years of speculation, has had a mixed start to his career in Spain. Despite scoring on his competitive debut in the UEFA Super Cup, the Frenchman has struggled to find consistent form during his early days at the Santiago Bernabéu. The hacking incident only adds to the challenges he faces as he seeks to establish himself as a key player for Los Blancos.

**Here is a look at all the deleted tweets-**

**Mbappé's stint with Real Madrid**

Real Madrid's head coach, Carlo Ancelotti, has dismissed concerns over Mbappé's recent performances, expressing confidence that the forward will soon hit his stride. However, the hacking incident serves as a stark reminder of the constant pressures faced by top footballers. Even the slightest misstep, or in this case, an incident outside their control, can quickly turn into a significant issue."His last goal was on August 14th. It has only been two weeks since, that is no reason to worry.

# Sanjay Manjrekar Questions Rohit, Kohli and Bumrah Exclusion From Duleep Trophy, Says 'I See Them as Well-Rested Players'

**New Delhi.** The former Indian cricketer, Sanjay Manjrekar believes that the Indian trio could have taken part in the domestic tournament. He revealed some interesting stats which indicated that the three men have had more than enough rest regularly to be included in the tournament comprising of some of the senior team stars, hopefuls and possible prospects.In a post on Manjrekar's official handle on X (formerly known as Twitter), the former Indian batter said, "India has played 249 international matches in the last 5 years. Rohit has played only 59% of those. Virat 61 % & Bumrah 34%. I see them as well-rested India players. Could have been selected for the Duleep trophy".The trio are key members of the Indian team across all three formats. The selectors have likely opted against their participation considering the international games coming up with the headline event being the Border-Gavaskar Trophy set to take place in November, later this year.But Manjrekar does not see it that way and wants to see the three take part in the domestic tournament. It is to be noted that the likes of Rohit Sharma and Virat Kohli are coming to their final chapters in their career while Bumrah being India's most prized asset in the bowling department has had his fair share of injury concerns,

thus opting to manage his workload.Earlier the Board of Control for Cricket in India (BCCI) had released the mandate that those who are not on national duty would be expected to take part in domestic cricket.

This would have led to the expectations that the quality within India's domestic scene would increase after seeing international stars representing their states, but that might not be the case for the moment when it comes to the senior Indian players.

India's next assignment will be their two-match Test series against Bangladesh which is set to take place in Chennai and Kanpur respectively. This would be followed by the three-match T20I series. The Indian team will also take on New Zealand at home followed by their tour to Australia to defend the Border-Gavaskar Trophy 2024.

## UEFA Champions League: Everything you need to know about the new format

**NEW DELHI**. The UEFA Champions League draw for the 2024/25 season is set to take place on Thursday in Monaco. The competition has undergone significant changes, with the number of participating clubs increasing from 32 to 36.

France's Ligue 1 has been granted an additional automatic qualification spot, bringing their total to three, as they are currently the fifth-best European league according to UEFA's ranking.Furthermore, Germany and Italy, the two leagues with the highest coefficient ranking from the previous season in UEFA competition, have each been awarded an extra berth. The final additional slot will be given to a national champion emerging from the qualifying rounds, which are scheduled to conclude this midweek.The format of the Champions League has undergone a radical change. Since 2003, the competition featured 32 clubs divided into eight groups of four, with the top two from each section progressing to the last 16.

However, starting from this season, the 36 clubs will be pooled together in a single league, following a "Swiss system" format, which is more commonly associated with chess tournaments.The Champions League group stage has undergone significant changes. Previously, teams played six matches against each opponent, both home and away. Under the new format, clubs will participate in eight games.

# Karn Sharma recalls Virat Kohli's brave decision to chase 364 on Day 5 in

**India and RCB spinner Karn Sharma recalled former India captain Virat Kohli's decision to chase down 364 on the final day of the Adelaide Test in 2014.**

**New Delhi.** India and RCB wrist spinner Karn Sharma recently recalled Virat Kohli's brave Test captaincy debut in Australia 2014. Notably, Kohli captained India in the first Test of the series in Adelaide with regular skipper MS Dhoni not playing the game due to an injury. The Delhi-born batter had a great start to his captaincy career as he notched up twin hundreds on his captaincy debut becoming just the second player to do so after Greg Chappel.Karn Sharma was also a part of the team in Australia as he made his debut in Australia as he played the Adelaide Test. Recalling the game, the 36-year-old said that the dressing room atmosphere was good with the presence of head coach Ravi Shastri. Sharma also spoke about Kohli's brave call of going after chasing 364 on the final day saying that it injected positivity in the team.

"Making my Test debut against Australia in Australia will always remain special. Very few people get that type of start. The dressing room atmosphere was quite good. Ravi Shastri, the coach, was there. We were chasing over 300 runs in that match and Virat said 'no draw. We are going to chase it down.' That injected a lot of positivity among players in the dressing room," Sharma said on second innings with Manjot Kalra.Further speaking ahead, Sharma hailed Kohli for his approach and the positive impact it had on the players.

"It was a different approach. Different captains have different approaches, but ever since he said we are chasing over 300 in the fourth innings of a Test – which was very tough in Australian conditions – it sent a wonderful indication to the players in the dressing room that your captain has different plans," he added.

India's heartbreaking loss in Adelaide

Coming back to the Adelaide Test, after Australia's overnight declaration, India required 364 runs to win on the final day. Kohli joined Murali Vijay at the crease at the crease with India on 57/2 and the duo got involved in a 185-run stand for the third wicket. Vijay departed on 99 by Nathan Lyon who also dismissed Ajinkya Rahane for a duck.At one stage, India required 87 runs having six wickets in hand. However, Lyon's vicious spin led to India's undoing on the final day as they got all out for 315 losing the match by 48 runs. Kohli's valiant knock of 141 went in vain as he lost his first Test as captain. However, the match gave a glimpse of how Kohli would go about his business as a full time skipper in the years to come as he led Indian Test team to unprecedented heights under his tenure.

## US Open 2024: 'Shirtless' Musetti's five-set win, Casper Ruud beats Gael Monfils

**New Delhi.** Euphoric scenes erupted at Flushing Meadows as Lorenzo Musetti celebrated his round 2 win at the US Open 2024 by taking off his shirt. The Italian showcased his prowess against Miomir Kecmanovic to register a five-set win with a score of 3-6, 6-4, 6-4, 2-6, 7-5. In another round 2 contest, Casper Ruud beat Gael Monfils 6-4, 6-2, 2-6, 7-6 (3) to reach the next round. The No. 8 seeded Ruud will face China's Juncheng Shang next in the round three of the US Open 2024.

Musetti battled through the tough conditions to reverse his fortunes in round 2. He faced two match points at 4-5 in the fifth set of the match and rallied his way to win a five-setter. Kecmanovic held two match points but was not able to gain control of the point on either occasion. Musetti faced an opening set deficit, and then he bagged the next two sets. However, Kecmanovic wasn't done.

**Watch: Musetti goes shirtless, flaunts abs**

The Serbian levelled the match by claiming the fourth set, and forced a decider. Kecmanovic showcased resistance, but the Italian prevailed in the end, giving an action-packed contest. Musetti finished the match with 51

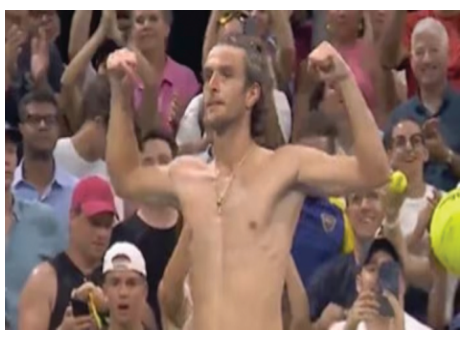

winners and he converted six of his 13 break points. He took off his t-shirt in front of the New York crowd and flaunted his abs and roared while receiving loud cheers from the crowd. This year has turned out to be great for Musetti, who reached the semi-final of Wimbledon 2024 and won a bronze medal in the men's singles event at the Paris Olympics 2024.

Ruud reaches round 3

Norwegian Ruud edged past Frenchman Monfils to reach the round three of US Open 2024. The No. 8 seeded outmatched the world no. 45 Monfils with a scoreline of 6-4. 6-2, 2-6, 7-3(6) in a contest that lasted for 2 hours and 53 minutes. Casper could not save any break points in the match but retaliated against Monfils. This was the 46th win of the year for the semi-finalist of the US Open 2022.

# US Open 2024: Tiafoe advises on dealing with online abuse after Garcia's revelation

**New Delhi** Caroline Garcia, a semi-finalist of US Open 2022, recently opened up about some of the derogatory online messages she has been receiving on social media after her recent losses. She pointed out "unhealthy betting" being one of the reasons for players getting targeted. American tennis player Frances Tiafoe addressed the issue and gave his advice on dealing with online abuse. He said not to worry about what people say who follow their lives and rather focus on improving as a player."I get it. I've been getting cooked for a long time. It's never good. People are saying outlandish stuff. It's just wild. You know, you have players working all their lives trying to compete at the highest level. You don't know peoples circumstances, what they're going through, and how this affects people," Tiafoe told the media during US Open 2024.Tiafoe resonates with Garcia

The 30-year-old Garcia from France, who was once ranked as high as No. 4, arrived at Flushing Meadows as 28th seed. However, she was eliminated by Renata Zarazua 6-1, 6-4 in the first round of US Open 2024 itself. The 92nd ranked Zarazua is making her US Open debut. After her first round exit, Garcia shared the online hate which she has been receiving."The biggest thing I would tell players, other colleagues, men, womenâ€æ these people are going to follow your life regardless. Don't hang your head so low on these things. They follow your life. You don't care about anything they do. They'll continue to follow your life. You're the important person. Be more upset about the loss or tough time you're actually gonna through," Tiafoe advised.

Garcia upset with the online hate

The American tennis player's mantra was simple and that is 'to not care' and he wanted every athlete receiving hate to apply this to their lives."Don't let your mood get even worse because of people you don't know & don't care about their opinions that put you in the gutter. It's already hard enough. That's the biggest thing I would say. But again, I'm not gonna say it's an easy thing. Personally, I don't care. It doesn't bother me. But I get why it bothers people."

# Lionel Messi returns to practice with Inter Miami as he recovers from ankle injury

**Lionel Messi has returned to the Inter Miami squad for group training as he continues to recover from a high-ankle injury which he suffered during the Copa America final.**

**New Delhi** Lionel Messi has returned to group training with Inter Miami in a limited capacity on Wednesday. He is returning to the field almost six weeks after the Argentina captain sprained his right ankle and left the Copa America final. However, there is no confirmation as to when the eight-time Ballon d'Or winner will play again for Inter Miami, which boasts of the best record in Major League Soccer so far this season. Messi was also not selected by Argentina to play in World Cup qualifiers in early September. Meanwhile, Inter Miami will visit Chicago this Saturday and will return to play the league match with Philadelphia on September 14. If Messi doesn't participate in this game, he will have two more weeks to continue his rehab before returning to game action."To see him on the field is great," Inter Miami goalkeeper Drake Callender said after the Wednesday workout. "I know he's been getting treatment every single day, training every single day. He's dealt with things before. He's been there, done that and he's still doing it at the highest level. To see him recoup from the kind of injury we saw at Copa America and be available for us this season, it goes to show the quality of care we have here."When can

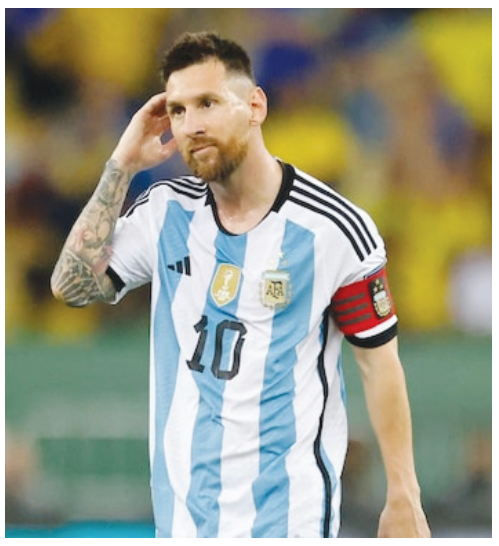

Messi make comeback?

"To be able to get him back," Callender said, "it's going to be huge.""There were specific drills that we devised that would allow him a certain level of participation," coach Tata Martino told The Outlet. "But he still does not have medical clearance (to play)."

Martino said there is no change to the timetable that Messi will return to action sometime before the end of the regular season on October 19 against the New England Revolution.

Messi's ankle injury

The 37-year-old has been away from action after suffering a high ankle injury on July 14 while playing the Copa America final for Argentina against Colombia. He has 12 goals and 13 assists in 12 Major League Soccer games for Inter Miami this season. He missed 14 of the club's league matches, which also included the last eight as he was playing for Argentina and then recovering from injury.

# Sharvari Wagh

## BREAKS Silence On Vedaa's Poor Box Office Collection: 'It's Only My Third Film, I'm Still...'

John Abraham made a comeback as a full-fledged hero in the film Vedaa, alongside Sharvari Wagh. However, the Nikkhil Advani directorial venture didn't perform well at the box office. The film was released on August 15 and faced stiff competition from Shraddha Kapoor starrer juggernaut, Stree 2. Vedaa also clashed with Akshay Kumar's Khel Khel Mein and this three-way box office battle proved detrimental for the film. The film managed to earn Rs 19.25 cro till now. Sharvari Wagh has now reacted to the film's performance."Honestly, there are two different ways of looking at this. For me, I think in Vedaa, my heart was in the role and the performance had its heart in the right place. Now business decisions, whether things work or not are beyond me because this is only my third film in theatres. So, that is something I am still learning, and I am still a student of understanding how this translates and what is the right thing in terms of business," she told the Hindustan Times.

She added, "I think this role was very difficult, and challenging and very out of my comfort zone. So, when I got audience love for it, I was satisfied because I took a little leap of faith in my performance. It could have gone a hundred other ways. For it to have gone in the right way for me is a big win. I haven't done drama, which is also very difficult, and this was a big success for me."Actor Abhishek Banerjee, who plays the antagonist in the film, exclusively spoke to News18 about Vedaa's box office numbers. Abhishek also plays Jana in Stree 2, which is proving to be a runway hit this year. "As an actor, it's a bittersweet experience. Nikkhil Advani has directed a beautiful film. I saw 60 per cent occupancy for Vedaa in metro cities. I don't know about the rest. I saw people clapping during the climax. The problem is that Stree is a juggernaut. Since it is also a sequel, the audience is already in sync with the characters. Nobody imagined Stree to be such a big monster. I knew it would be a monster but not that it would become Godzilla," Abhishek said.

# Swara Bhasker

## Reacts to Sexual Abuse in Malayalam Film Industry, Calls Showbiz 'Patriarchal': 'Successful Actors...'

Actor Swara Bhasker recently opened up about the Hema Committee's findings, highlighting the strong patriarchal norms and financial pressures in the entertainment industry, including Bollywood. She also said that she has deep gratitude and support for the Women In Cinema Collective (WCC) and praised their bravery in bringing issues of sexual harassment and violence to light.Reacting to the Hema Committee report, which uncovered sexual harassment and exploitation in the Malayalam film industry, Swara Bhasker shared a heartfelt note on Instagram, saying she was "heartbroken" by the committee's findings. An excerpt from her post read, "It has been heartbreaking to read the findings of the committee. More heartbreaking because it is familiar. Maybe not every detail and not every nitty gritty but the larger picture of what the women have testified to is all too familiar (sic)".

She added that in showbiz, if one raises her voice, one is labelled a troublemaker and they have to bear the consequences of their reaction. "Showbiz is not just patriarchal, it's also feudal in character. Successful actors, directors and producers are elevated to the status of demi-gods and anything they do goes. If they do something unsavoury, the norm for everyone around is to look away. If someone makes too much noise and doesn't let an issue drop, label them 'trouble-makers' and let them bear the brunt of their over enthusiastic conscience," she wrote.She also wrote that every day of production—whether during shooting, pre-production, or post-production—costs money, and no one likes interruptions, even if someone is speaking up for what's right. "Showbiz is and always has been a male- centric industry, a patriarchal power set-up. It's also deeply perception sensitive and risk averse. Every day of production – shoot days but also pre and post-production days – are days when the meter is running and money is being spent. No one likes a disruption. Even if the disruptor has raised her voice for what is ethically correct. It's so much more convenient and financially practical to just

## Aly Goni Drops BIG Hint About His Breakup Reason With Natasa Stankovic: 'Usne Mujhe Bola Ki...'

It is no secret that Aly Goni and Natasa Stankovic dated each other in the past. They even appeared together on the 9th season of Nach Baliye but broke up soon after the show ended. While nobody knows why they actually parted ways, Aly has finally dropped a big hint about it.Recently, Aly Goni appeared on Bharti Singh and Haarsh Limbachiyaa's podcast when he talked about his past relationship. Even though the actor did not name Natasa, he mentioned that they broke up because she wanted to not live with his family. "Jo mera isse pahle bhi relation tha, voh bahut hi serious tha. Uska reason hi yahi tha ke usne mujhe bola ke 'yaar jab hum shaadi kareinge future mein hum alag raheinge'. Voh cheez mujhe nahi jami (My previous relationship was very serious. The reason we broke up was that she told me that we would live separately. I did not agree to it)," Aly said.

Goni, who is currently seen in Laughter Chefs, further mentioned that he is a family man and does not want to live separately. "Main apne family ko saath leke chalunge jahab bhi jaaunga. Main family ko alag nahi kar sakte. Main nahi chod sakta, chahe duniya ki koi bhi taakat aa jaaye (I will take my family along wherever I go. I cannot separate from my family. I can't eave them, come what may)," he added.

While Aly Goni is currently in a romantic relationship with Jasmin Bhasin, Natasa Stankovic recently parted ways from her cricketer husband Hardik Pandya. The two, who tied the knot in May 2020 and renewed their wedding vows according to the Hindu and Christian rituals in February 2023, confirmed their separation in July 2024. They issued a joint statement and mentioned that it was a "tough decision" for both of them and added that they will continue to co-parent their son, Agastya.Following their separation, Natasa moved to her hometown, Serbia with her 4-year-old son Agastya.

## Kriti Sanon and Kabir Bahia Make Their Relationship Instagram Official? Fans Say 'Jiju in the House'

Bollywood actress Kriti Sanon and Kabir Bahia have sent fans into a frenzy with their latest social media interaction, sparking rumours that they may be "soft-launching" their relationship online. Kabir, whose name has been romantically linked to Kriti in recent weeks, made his first-ever comment on her Instagram post, leading many to believe the duo could be taking their rumoured relationship public.The speculation began when Kriti posted a behind-the-scenes video of her electrifying performance at the UP T20 Season 2 Opening Ceremony held at the Ekana Stadium. In the caption, she playfully wrote, "This was a 'Deadly' act! But nothing gives a bigger rush than a live performance in a stadium!!" Fans were quick to shower the post with likes and comments, but it was Kabir's comment that stole the spotlight.

Kabir wrote, "I'm dead.." along with a rolling on the floor laughing emoji, to which Kriti responded with a like, further fuelling the dating rumours. This seemingly casual exchange didn't go unnoticed by the fans. Within hours, a screenshot of Kabir's comment began circulating on Reddit, with netizens speculating whether the two are making their relationship Instagram official.The comment section of Kriti's post soon became flooded with fan reactions. Many users couldn't help but wonder if wedding bells might be on the horizon. "Jiju in the house," one fan commented, referring to Kabir as their 'brother-in-law.' Another asked, "Are you getting married to Kriti in real?"—a question that echoed the thoughts of many who have been closely following the rumoured couple.

The buzz around Kriti and Kabir's relationship comes on the heels of Kriti's recent interview with Nikhil Kamath, where she discussed various aspects of her personal life. When asked whether she is the first to apologise in a relationship, Kriti revealed, "It depends. If I feel I'm not wrong at all, then I wouldn't, but I would want to sort it out.